सब का सपना

Tittle Code UPHIN51223

निष्पक्ष व निडर साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष 01 | अंक 01 | 30 अक्टूबर- 05 नवम्बर-2023 | पृष्ठ 8 | मूल्य 5/- | फोन नम्बर 9456884327

सिख समुदाय ने राम जन्मभूमि आंदोलन शुरू कियाः राजनाथ

विशेष संवाददाता

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सनातन धर्म के लिए सिख समुदायों के कार्यो का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि वो सिख ही थे, जिन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन शुरू किया और कोई भी भारतीय उनके योगदान को कभी भुला नहीं सकता। गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश उत्सव पर लखनऊ के आलमबाग गुरुद्वारा में सिख समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा, ''सिख समुदाय ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए बहुत कुछ किया है। कोई भी भारतीय राम जन्मभूमि के लिए सिख

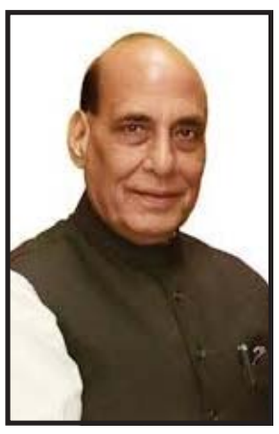

समुदाय के योगदान को भुला नहीं सकता।'' उन्होंने कहा, ''मैं सरकारी रिकॉर्ड के आधार पर एक महत्वपूर्ण तथ्य साझा करना चाहता हूं। एक दिसंबर, 1858 को दर्ज एक प्राथमिकी के मुताबिक, सिखों के एक समूह ने गुरु गोविंद सिंह के नाम का नारा लगाते हुए उस परिसर पर कब्जा कर लिया था और दीवारों पर हर जगह राम-राम लिख दिया था।'' राजनाथ ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन सिखों द्वारा शुरू किया गया था। उन्होंने कहा, ''मौजूदा समय में हर कोई सिखों के हक के बारे में बात करता है, लेकिन देने के संबंध में कोई कुछ नहीं बोलता। यदि कोई समुदाय है, जिसने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया और सेना में जिसका प्रतिशत कहीं अधिक है, तो वह सिख समुदाय है।''

वोकल फॉर लोकल से होगा 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना साकारः नरेन्द्र मोदी

देश का आत्मनिर्भर बनने का सपना साकार होगा।

अनुज कुमार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में लोगों से त्योहारों के सीजन में स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की और कहा कि इससे देश का आत्मनिर्भर बनने का सपना साकार होगा। 'मन की बात' के 106वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने खादी उत्पादों की रिकॉर्ड बिक्री का उल्लेख करते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों की खरीद से अन्य देशवासियों की भी दीपावली खुशी से मनेगी। देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी आगामी जयंती पर याद करते हुए प्रधानमंत्री ने 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान और 'मेरा युवा भारत' (माय भारत) कार्यक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि देश की एकता के सूत्रधार सरदार पटेल की जयंती पर देश के कोने-कोने से एकत्रित की गई माटी लेकर अमृत कलश यात्राएं दिल्ली पहुंच रही हैं। इन्हें एक विशाल कलश में डाला जाएगा और इस पवित्र मिट्टी से दिल्ली में अमृत वाटिका का निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि 'माय भारत' देश के युवाओं को राष्ट्र निर्माण के विभिन्न आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करेगा। वे युवाओं से आग्रह करते हैं कि स्वयं को उलईतंज.हवअ.पद में रजिस्टर कर विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभागी बनें। इस दौरान प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर की पुण्यतिथि पर भी उन्हें याद किया। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में साहित्य के माध्यम से देश को जोड़ने के लिए चलाए जा रहे एक प्रयास की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु की प्रसिद्ध लेखिका शिवशंकरी ने एक प्रोजेक्ट के माध्यम से 18 भारतीय भाषाओं में लिखे साहित्य का तमिल में अनुवाद किया है। इसके लिए उन्होंने देश के अलग-अलग कोनों तक की भी यात्रा की है। उनके इस प्रोजेक्ट से जुड़े हुए चार वॉल्यूम प्रकाशित हुए हैं। उन्हें उनकी इस संकल्प शक्ति पर गर्व है। प्रधानमंत्री ने कन्याकुमारी के एके पेरूमल की तमिलनाडु के कहानी कहने की परंपरा को संरक्षित करने के कार्य की भी सराहना

की। उन्होंने बताया कि वे तमिलनाडु के अलग-अलग हिस्सों में यात्रा कर वहां की 'फोक आर्ट फोर्म' को खोज कर अपनी पुस्तक का हिस्सा बनाते हैं। उन्होंने अब तक करीब 100 किताबें लिख डाली हैं। वे तमिलनाडु के मंदिर संस्कृति के बारे में भी शोध करना पसंद करते हैं। प्रधानमंत्री ने जनजाति गौरव दिवस अर्थात भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और जनजातीय समुदाय के नायकों से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। भगवान बिरसा मुंडा ने ऐसे समाज की कल्पना की थी जहां अन्याय का कोई स्थान ना हो। वे चाहते थे कि हर व्यक्ति को सम्मान और समानता मिले। आज हमारे आदिवासी भाई-बहन प्रकृति की देखभाल और उसके संरक्षण के लिए हर तरह से समर्पित हैं। हम सबके लिए यह बात बहुत ही प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री ने राजस्थान और गुजरात में जनजातीय समुदाय में विशेष महत्व रखने वाले गोविंद गुरु जी को भी याद किया। 30 अक्टूबर को उनकी पुण्यतिथि है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंचित समुदाय के लिए गोविंद गुरु जी ने बहुत काम किया है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने मानगढ़ नरसंहार में बलिदान मां भारती के सपूतों को भी नमन किया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री ने एशियाई गेम और पैरा ओलंपिक में भारत को मिले पदकों को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि वह इन खेलों में भाग लेने वालों को बहुत-बहुत बधाई देते हैं। साथ ही उन्होंने एक स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड समर गेम्स की ओर भी ध्यान आकर्षित कराया। इसमें मानसिक रूप से दिव्यांग प्रतिभागी भाग लेते हैं। इस प्रतियोगिता में भारतीय दल ने 75 स्वर्ण पदक सहित कुल 200 पदक जीते। प्रधानमंत्री ने शक्तिपीठ अंबाजी के मार्ग में गब्बर पर्वत पर कूड़े कबाड़ से बनी प्रतिमाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह प्रयास गब्बर पर्वत का आकर्षण बढ़ाने के साथ ही पूरे देश में 'वेस्ट टू वेल्थ' अभियान के लिए लोगों को प्रेरित करेगा। इसी तरह से 'वेस्ट टू वेल्थ' के एक अन्य प्रयास का भी उन्होंने उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि असम के कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले में अक्षर फार्म स्कूल में हर हफ्ते बच्चों द्वारा प्लास्टिक से इको फ्रेंडली ईंटें और चाबी बनाने का काम होता है। यहां छात्र को रीसाइक्लिंग करना और प्लास्टिक वेस्ट से प्रोडक्ट बनाना सिखाया जाता है। प्रधानमंत्री ने महान संत मीराबाई को उनकी 525वीं जयंती पर याद किया। उन्होंने कहा कि उस कालखंड में उन्होंने अपने भीतर की आवाज को सुना और रूढ़िवादी धारणाओं के खिलाफ खड़ी हुई। एक संत के रूप में भी वह सबको प्रेरित करती है।

31 अक्टूबर को होगा, आजादी का अमृत महोत्सव का समापन, मेरा युवा भारत का गठन : मोदी

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज घोषणा की कि इस वर्ष 31 अक्टूबर को एकता दिवस के मौके पर आजादी के अमृत महोत्सव का समापन होने के साथ ही एक बहुत बड़े राष्ट्रव्यापी संगठन 'मेरा युवा भारत' की नींव रखी जाएगी जो नौजवानों को राष्ट्रनिर्माण के विभिन्न आयोजनों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करेगा। श्री मोदी ने यहां आकाशवाणी पर अपने नियमित मासिक कार्यक्रम मन की बात की 106 वीं कड़ी में यह घोषणा की। श्री मोदी ने कहा कि 31 अक्टूबर का दिन हम सभी के लिए बहुत विशेष होता है। इस दिन हमारे लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म-जयंती मनाते हैं। हम भारतवासी, उन्हें, कई वजहों से याद करते हैं, और श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। सबसे बड़ी वजह है देश की 580 से ज्यादा रियासतों को जोड़ने में उनकी अतुलनीय भूमिका। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं हर साल 31 अक्टूबर को गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर एकता दिवस से जुड़ा मुख्य समारोह होता है। इस बार इसके अलावा दिल्ली में कर्तव्य पथ पर एक बहुत ही विशेष कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा, "आपको याद होगा, मैंने पिछले दिनों देश के हर गाँव से, हर घर से मिट्टी संग्रह करने का आग्रह किया गया था। हर घर से मिट्टी संग्रह करने के बाद उसे कलश में रखा गया और फिर अमृत कलश यात्राएं निकाली गईं।

शिक्षिका से मांगी इंस्टाग्राम आईडीः विरोध करने पर सरेआम पकड़ लिया हाथ, अश्लील इशारे कर धमकी दे गया स्टूडेंट

अनुज कुमार

अमरोहा में निजी स्कूल में पढ़ाने वाली शिक्षिका से सरेराह छेड़खानी की घटना सामने आई है। आरोपी ने जबरदस्ती इंस्टाग्राम आईडी मांगी। नहीं देने पर अभद्रता कर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी युवक बीएड का छात्र है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। शिक्षिका से मांगी इंस्टाग्राम आईडी: विरोध करने पर सरेआम पकड़ लिया हाथ, अश्लील इशारे कर धमकी दे गया स्टूडेंट पीड़ित परिवार ने बताया कि केस दर्ज होने के बाद भी आरोपी धमकी दे रहा है। पुलिस से शिकायत करने के बाद भी उसे गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। इससे पीड़िता तनाव में है। अमरोहा में निजी स्कूल में पढ़ाने वाली शिक्षिका से सरेराह छेड़खानी की घटना सामने आई है। आरोपी ने जबरदस्ती इंस्टाग्राम आईडी मांगी। नहीं देने पर अभद्रता कर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी युवक बीएड का छात्र है। पीड़िता की शिकायत पर

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के आठ दिन बाद भी पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी। उधर आरोपी मुकदमा वापस लेने के लिए धमका रहा है। शिक्षिका मानसिक रूप से परेशान है। ये घटना अमरोहा नगर कोतवाली क्षेत्र में कैलसा रोड की है। शहर की एक पॉश कॉलोनी में कारोबारी का परिवार रहता है। उनकी 21 वर्षीय बेटी एक निजी स्कूल में पढ़ाती है। आरोप है कि 20 अक्तूबर को करीब दो बजे छुट्टी के बाद घर वापस लौट रहीं थीं। तभी अमरोहा ब्लॉक के सामने मोहम्मदी सराय निवासी अमन वहां पहुंचा और शिक्षिका से छेड़खानी करने लगा। सरेआम हाथ पकड़ लिया। इंस्टाग्राम की आईडी मांगने लगा। शिक्षिका ने इसका विरोध किया तो उसने गाली-गलौज की। पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। स्पष्ट कहा कि अगर किसी से शिकायत की तो तुम्हारे लिए अच्छा नहीं होगा। घटना के बाद शिक्षिका अपने घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। आरोप है कि घटना के बाद से शिक्षिका मानसिक तनाव में है। पीड़िता ने नगर कोतवाली में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। सीओ सिटी विजय कुमार राणा ने बताया कि मामले में आरोपी अमन के खिलाफ छेड़खानी, गाली गलौज और धमकी का केस दर्ज कर लिया है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उधर पीड़िता का आरोप है कि आरोपी मुकदमा वापस लेने के लिए दबाव बना रहा है। पुलिस उसे गिरफ्तार करने को तैयार नहीं है।

Amroha: बदमाशों ने महिला कांस्टेबल की मां को दिया लिफ्ट, 45 हजार रुपये लूटे, अंजान जगह पर छोड़ गए

अनुज कुमार

अमरोहा में बाइक सवार बदमाशों ने महिला कांस्टेबल की मां सुनीता देवी से रुपयों से भरा बैग लूट लिया। दोनों बदमाशों ने लिफ्ट देकर वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर जांच पड़ताल की। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज किया है। सुनीता देवी अमरोहा देहात थानाक्षेत्र के कमालपुर गांव में रहने वाले दिवंगत कृतपाल सिंह की पत्नी हैं। कृपाल सिंह यूपी पुलिस में कांस्टेबल थे। करीब दस साल पहले उनकी मौत हो गई थी। आश्रित कोटे में करीब चार साल पहले उनकी बेटी कांस्टेबल बनी। वर्तमान में उसकी तनाती बदायूं जनपद में है। परिजनों के मुताबिक बृहस्पतिवार की दोपहर सुनीता देवी 45 हजार रुपये कैलसा स्थित यूपी ग्रामीण बैंक (प्रथमा बैंक) में जमा करने आई थी। रुपये एक थैले में

रखे हुए थे। किसी कारण बैंक में रुपये जमा नहीं हो सके। लिहाजा सुनीता देवी टेंपो में सवार होकर रामहट पहुंचीं और वापस घर जाने के लिए सवारी का इंतजार करने लगी। तभी एक बाइक सवार वहां पहुंचा और सुनीता देवी ने उससे लिफ्ट मांग ली। बाइक सवार युवक ने सुनीता देवी को निजामपुर जाने की बात कह उन्हें बाइक पर बैठा लिया। आरोप है कि करीब दो सौ मीटर चलने के बाद उसे दूसरा व्यक्ति खड़ा मिला। बाइक सवार ने उसे भी बैठा लिया। इसके बाद युवकों ने सुनीता देवी को नदी के पुल के पास उतार दिया और रुपयों से भरा थैला छीन लिया। आरोपी वारदात को अंजाम देकर उसी दिशा में भाग निकले जहां से आए थे। सुनीता देवी के शोर मचाने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि मामले में पीड़िता की शिकायत पर दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

Amroha Double Murder: हत्या से पहले अनिरुद्ध व रतनपाल को पिलाई थी शराब, साजिश में लगातार शामिल रहा पूरन

अनुज कुमार

गजरौला के गुलालपुर के जंगल में नौ अक्तूबर की रात अनिरुद्ध और रतनपाल भाटी को हत्या करने से पहले हापुड़ के नया गांव निवासी पूरन ने शराब पिलाई थी। उसने यह काम गजरौला थाना क्षेत्र के मुरादपुर निवासी जितेंद्र भड़ाना के कहने पर किया था। पुलिस ने पूरन को गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की तो उसने शराब पिलाने की बात कबूल की। शुक्रवार को पुलिस ने उसका चालान कर दिया। मेरठ के सीना निवासी अनिरुद्ध व गौतमबुद्धनगर नगर के बोड़ाकी गांव निवासी रतनपाल भाटी की बलकटी व नल के हत्थे से ताबड़तोड़ वार कर हत्या की गई, जबकि फार्म हाउस पर रहने वाला नया गांव निवासी नौकर जीतपाल को अधमरा कर छोड़ा था। हापुड़ जिले के सिंभावली थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर निवासी अशोक पर गांव के ही विनय, कपिल, दिनेश, गजरौला थाना क्षेत्र के मुरादपुर निवासी जितेंद्र भड़ाना, हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर थाना क्षेत्र के नया गांव निवासी चंद्रपाल, हैदरपुर निवासी सुरेंद्र व उसके भाई सुरजन और मेरठ के किठौर थाना क्षेत्र के सारंगपुर निवासी अब्बास, भड़ौली निवासी अंकुर उर्फ बोलू के साथ मिल कर वारदात को अंजाम देने का आरोप है। पुलिस की छानबीन में पता चला कि अनिरुद्ध, रतनपाल भाटी व जीतपाल शराब के नशे में थे। पुलिस ने आसपास के लोगों के साथ ही जेल भेजे गए आरोपियों से भी पूछताछ की तो सामने आया कि तीनों को जितेंद्र भड़ाना के कहने पर नया गांव निवासी पूरन ने गढ़मुक्तेश्वर के ठेके से लाकर शराब पिलाई। जिसके चलते तीनों नशे में सो गए थे। पुलिस का कहना है कि पूरन दोहरे हत्याकांड के मास्टर माइंड अशोक का करीबी है। वह अशोक के साथ रहने वाले आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के लिए शराब का इंतजाम करता था। सीओ श्वेताभ भास्कर का कहना है कि आरोपी का चालान कर दिया गया है।

योगी सरकार की पहल, अब धारा प्रवाह अंग्रेजी भी बोलेंगे सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हर वर्ग को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार ने एक और बड़ी पहल की है। प्रदेश में स्थित कुल 105 जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं भी धारा प्रवाह अंग्रेजी बोल सकें, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप समाज कल्याण विभाग की ओर से कोशिश शुरू हो गयी है। अशोक फैलो लीप फॉरवर्ड संस्था की ओर से सर्वोदय विद्यालयों में ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 'अंग्रेजी साक्षरता प्रोग्राम' आयोजित किया गया। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता के अनुसार तीन दिवसीय यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 से 28 अक्टूबर तक चला। कार्यक्रम में कक्षा 6 से 10 तक अंग्रेजी विषय पढ़ाने वाले शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के तहत शिक्षकों में अंग्रेजी विषय की समझ विकसित की जा रही है। इसके साथ ही अंग्रेजी भाषा को सरलता से समझने और बोलने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सीखकर छात्र-छात्राओं को पढ़ाएंगे अंग्रेजी का पाठ

प्रवक्ता ने बताया कि कक्षा 6 से 10 तक छात्र-छात्राओं की अंग्रेजी की क्षमता को विकसित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई है। दरअसल, सर्वोदय विद्यालय में ग्रामीण परिवेश से आने वाले छात्र-छात्राएं पढ़ाई करते हैं। उनको धारा प्रवाह अंग्रेजी सिखाने के लिए कार्यक्रम हो रहा है। ऐसे में समाज कल्याण विभाग की कोशिश है कि शिक्षकों को अंग्रेजी में दक्ष किया जा सके, जिससे वे अंग्रेजी पढ़ने और बोलने में न तो रुकें और न ही हिचकिचाएं, बल्कि धारा प्रवाह अंग्रेजी बोल सकें। वहीं छात्र-छात्राओं को भी अंग्रेजी में बोलने और सीखने का पाठ पढ़ाएंगे। ताकि क्षेत्रीय भाषा पढ़ने वाले छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने और रोजगार पाने में कोई कठिनाई न हो।

270 मिनट का प्रोग्राम

तीन दिनों तक चलने वाला यह ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 270 मिनट का है। यानी एक दिन में 90 मिनट तक प्रशिक्षण दिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों ने कितना सीखा, इस बात की पुष्टि के लिए फीडबैक टेस्ट लिया गया। इसमें जो शिक्षक पास होंगे, उन्हें सर्टिफिकेट दिया जाएगा। शिक्षकों का फीडबैक टेस्ट को सफलतापूर्वक पास करना अनिवार्य होगा। टेस्ट पास न करने वाले शिक्षक को दोबारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रक्रिया तब तक चलेगी, जब तक शिक्षक अंग्रेजी में दक्ष न हो जाएं।

158 शिक्षकों ने करवाया पंजीकरण

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कक्षा 6 से 10 तक के अंग्रेजी विषय पढ़ाने वाले शिक्षकों का पंजीकरण करवाया गया है। अब तक कुल 158 शिक्षकों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। मंत्री, समाज कल्याण (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा, ''सर्वोदय विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों के अंग्रेजी के स्तर को और उन्नत करने के लिए अंग्रेजी साक्षरता प्रोग्राम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम से अंग्रेजी के शिक्षकों में इंम्प्रूवमेंट होगा। इसके लिए अशोक फैलो लीप फॉरवर्ड संस्था के आभारी हैं। इससे छात्रों को बहुत लाभ मिलेगा।''

57 जिलों में 94 सर्वोदय विद्यालय

प्रदेश के 57 जिलों में कुल 94 जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय कक्षा 6 से कक्षा 12 तक संचालित हैं, जिसमें 65 बालक विद्यालय और 29 बालिका विद्यालय संचालित है। इनमें से 43 विद्यालय सीबीएसई और 51 विद्यालय यूपी बोर्ड से सम्बद्ध हैं। इन विद्यालयों में ग्रामीण परिवेश से बच्चे पढ़ाई के लिए आते हैं। ऐसे में उनको धारा प्रवाह अंग्रेजी सीखाने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे बच्चे बेहिचक अंग्रेजी बोल सकें।

प्रियंका ने 100 झूठ में से एक सच बोला, कांग्रेस का विकास में विश्वास ही नहीं : शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर हमला बोलते हुए आज कहा कि श्रीमती वाड्रा ने 100 झूठ में एक सच ये बोला कि उनके स्वर्गीय पिता राजीव गांधी ने अमेठी का कोई विकास नहीं किया। श्री चौहान ने अपने वीडियो संदेश में कहा, श्रीमती वाड्रा मध्यप्रदेश में आकर लगातार झूठ बोल रही है, लेकिन 100 झूठों में कल उन्होंने एक सच ये बोला कि उनके स्वर्गीय पिताजी ने भी अमेठी का विकास नहीं किया। कांग्रेस का विश्वास विकास में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब 'श्रीमान बंटाढार' (दिग्विजय सिंह) प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब प्रदेश को उन्होंने तबाह और बर्बाद करके रख दिया था। ना सड़क थी, ना बिजली थी, ना पानी था, चारों तरफ केवल हाहाकार था।

कुर्मी क्षत्रिय सभा द्वारा पटेल जयंती 31 अक्टूबर कों

बरेली। कुर्मी क्षत्रिय सभा द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148 वीं जयंती समारोह ब्रह्मपुरा के सरदार पटेल छात्रावास में आयोजित की जाएगी। इस बीच प्रेस वार्ता के दौरान क्षत्रिय सभा के अध्यक्ष केपी सेन गंगवार ने जानकारी देते हुए बताया कि कुर्मी क्षत्रिय सभा द्वारा सरदार बल्लभ भाई पटेल की 148 वीं जयंती समारोह 31 अक्टूबर कों आयोजित किया जा रहा है। जिसमें कार्यक्रम के संरक्षक सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष कुमार गंगवार व मुख्य अतिथि के रूप में अजय कुमार सिंह महापौर सहारनपुर मौजूद रहेंगे। वही मीडिया प्रभारी देश दीपक गगवार नें जानकारी देते हुए बताया इस बार कुर्मी क्षत्रिय सभा समारोह में कक्षा 12वीं में 80 प्रतिशत अंक या इससे अधिक अंक हासिल करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा साथ ही जो 80 वर्ष से उम्र से अधिक है उनको शाल उड़ाकर सम्मान किया जाएगा। वही प्रेस वार्ता के दौरान कुर्मी क्षत्रिय सभा अध्यक्ष एड केपी सेन गंगवार,रघुवीर सिंह गंगवार उपाध्यक्ष, प्रेम शंकर गंगवार,छत्रपाल सिंह गंगवार, राम अवतार गंगवार,आरसी लाल,मूलचंद गंगवार ,आलोक गंगवार ,मनोज बाबू गंगवार , अरविंद पटेल, मीडिया प्रभारी देश दीपक गंगवार मौजूद रहे।

नशे में ड्यूटी करने वाले सीएचसी अधीक्षक निलंबित

डिप्टी सीएम का आदेश, प्राइवेट पैथोलॉजी में जांच कराने के भी लगे आरोप

लखनऊ। सरकारी अस्पताल के डॉक्टर पर नशे में ड्यूटी करने के आरोप लगने पर डिप्टी सीएम ने निलंबन के आदेश जारी कर दिए हैं। मामला जालौन स्थित कालपी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक का है।रविवार को डिप्टी सीएम ने सीएचसी अधीक्षक को निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया है।अधीक्षक पर मरीजों का प्राइवेट पैथोलॉजी से जांच कराने के भी आरोप लगे है।इन सभी मामलों की जांच के लिए डिप्टी सीएम ने आदेश दिए हैं।बता दें कि जालौन के हीरापुरस गांव निवासी डालचन्द्र के 26 वर्षीय बेटे श्रीलाल की तबीयत बिगड़ गई थी। परिजन 5 जुलाई को बेटे को लेकर सीएचसी पहुंचे थे। सीएचसी अधीक्षक डॉ. उदय कुमार ने मरीज श्रीलाल को खून संबंधी जांच लिखी। वहीं जांच अस्पताल से न कराने की बजाय निजी पैथोलॉजी का पता बताया। लगातार दो दिनों तक मरीज को भेजकर वहां से जांच कराई। रोगी दूसरे दिन निजी पैथोलोजी नहीं पहुँच पाया। मरीज की मृत्यु हो गई। जब इस मामले की जांच कराई गई तो चिकित्सा अधीक्षक डॉ. उदय कुमार द्वारा नशे में ड्यूटी किये जाने की बात भी सामने आयी। अस्पताल में पैथोलॉजी जाँच की पर्याप्त सुविधाएँ होने पर भी रक्त की जाँच निजी पैथालॉजी से कराई गई। साथ ही मरीज को समय से एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं कराई गई। नशे में ड्यूटी में लापरवाही चलते डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दोषी सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. उदय कुमार को निलम्बित कर दिया है। जिसे झांसी स्थित अपर निदेशक कार्यालय से डॉ. उदय को सम्बद्ध कर दिया गया है। साथ ही डॉ. उदय के खिलाफ वृहद् दण्ड की विभागीय कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा बिना सूचना ड्यूटी से गायब रहने वाले डॉक्टरों के खिलाफ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने और सख्ती शुरू कर दी है। गाजीपुर के उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुजीत कुमार मिश्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि डॉ. सुजीत उच्चाधिकारियों निर्देशों की अवहेलना कर रहे थे। बिना सूचना ड्यूटी से अनुपस्थित रहकर प्राइवेट प्रैक्टिस में संलिप्त थे। टीकाकारण जैसे जनहित के सरकारी कार्यो में दिलचस्पी नहीं दिखाई।

सामाजिक क्षेत्र में पत्रकारों का योगदान सराहनीय-डीएम

सुल्तानपुर। जिले में खासतौर से पत्रकार महासंघ की तरफ से नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन सराहनीय है।जितनी तारीफ की जाय कम है,मुझे भले ही अभी जिले में आए 25 दिन पूरे हो रहे है।लेकिन भले ही सभी से मुलाकात अभी नही हो पाई है।फिर भी किसी न किसी माध्यम से एक दूसरे से जुड़े अवश्य है।ये बातें शिविर में डीएम कृत्तिका ज्योत्स्ना ने कही और इस पहल पर धन्यवाद भी जताया।वही एसपी सोमेन बर्मा ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि दूसरी वर्ष की दुर्गा पूजा में रहने का अवसर मिला है।यहां के पत्रकार बंधुओं का सदैव सहयोग मिलता है। सीएमओ, सीएमएस व डा रवि त्रिपाठी ने संक्रमण रोगों के प्रति जागरूक किया।सैकड़ों मरीजों को नि:शुल्क इलाज व दवाएं वितरित की गई। शिविर का आयोजन विसर्जन के दिन राष्ट्रीय चिकित्सा प्रभारी डा.अशोक मिश्र, सत्यप्रकाश गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अनुराग द्विवेदी, जिला संयोजक नरेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में हुआ। जिसमे मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.ओपी चौधरी,सीएमएस डॉ. एस.के गोयल,जिला सूचना अधिकारी डॉ.धीरेंद्र यादव,वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ रवि त्रिपाठी, डॉ.आस्था त्रिपाठी, डॉ.आभा सिंह डॉ.शैलेंद्र त्रिपाठी, वरुण मिश्रा, बार सचिव आर्तमणिमिश्रा सपत्नीक, अभिषेक सिंह,अरुण द्विवेदी, अरुण सिंह, दिनेश मिश्रा मौजूद रहे। संगठन के अंजनी तिवारी ने संचालन किया।

बुंदेली समाज 1 नवंबर को मनाएगा काला दिवस

महोबा। बुंदेलखंड को दो टुकड़ों में बांटकर 1956 में भारत के नक्शे से मिटाने वाली तारीख एक नवंबर को बुंदेली समाज काला दिवस के रूप में मनाएगा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रिकार्ड 34वीं बार अपने खून से खत लिखकर नेहरू सरकार की उस ऐतिहासिक भूल को सुधार कर पुन: बुंदेलखंड राज्य बहाली की मांग करेंगे। महोबा के साथ-साथ झांसी, बांदा, चित्रकूट व फतेहपुर आदि जिलों में भी बुंदेले काला दिवस मनाएंगे। बुंदेलखंड राज्य बहाली की मांग को लेकर 2018-19 में आल्हा चौक पर 635 दिन अनशन कर चुके बुंदेली समाज के संयोजक तारा पाटकर ने बताया कि एक नवंबर बुंदेलखंड के इतिहास का सबसे अधिक त्रासदीपूर्ण दिन है। उस दिन को हम बुंदेले कभी नहीं भूल सकते। बुंदेलखंड के आधे हिस्से को मध्यप्रदेश और आधे हिस्से को उत्तर प्रदेश में बांट दिया गया। इतना ही नहीं प्रभु श्री राम की तपोभूमि धर्मनगरी चित्रकूट के दो टुकड़े कर दिये गये। दो राज्यों के बीच फंसे चित्रकूट का विकास अवरुद्ध हो गया। उन्होंने बताया कि आजादी के बाद देश की 564 रियासतों को मिला कर अखंड भारत में जो 14 राज्य बनाए गए, उनमें हमारा बुंदेलखंड राज्य भी एक था लेकिन नेहरू सरकार ने पहले 1948 में बुंदेलखंड और बघेलखंड को मिलाकर विन्ध्य प्रदेश बनाया। फिर 1956 में मध्यप्रदेश का निर्माण कर बुंदेलखंड के दो टुकड़े कर दिये और भारत के नक्शे से मिटा दिया। तभी से हमारा बुंदेलखंड दो राज्यों के बीच में पिस रहा है और विकास की मुख्य धारा से कट गया। तारा पाटकर ने बताया कि एक नवंबर को हम बुंदेले आल्हा चौक स्थित अंबेडकर पार्क में काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन करेंगे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने खून से खत लिखकर बुंदेलखंड के खोये हुए गौरव को वापिस दिलाने के लिए विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग करेंगे।

शिवराज ने अपनी सरकार में जनता को केवल गुमराह किया: कमलनाथ

विदिशा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर हमला करते हुए आज कहा कि इनकी लगभग अठ्ठारह वर्ष की सरकार में प्रदेश की जनता को केवल गुमराह करने का प्रयास किया गया। श्री कमलनाथ ने रायसेन और विदिशा जिले के कुरवाई में दो चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि श्री चौहान ने 18 साल में केवल जनता को गुमराह करने का काम किया। पुलिस, पैसा और प्रशासन की दम पर ये 18 साल से सरकार चला रहे है। उन्होंने कहा कि श्री चौहान को चुनाव के समय पर नौजवान याद आ रहे है, बहने याद आ रही है, कर्मचारी याद आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे नौजवानों से कहना चाहते है कि आप इनकी झूठी घोषणाओं को जरूर याद रखिएगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वे आपसे बस इतना ही कहना चाहते है कि चुनाव के लिए 20 दिन बचे है और आपको इन 20 दिनों में चिंतन करने की आवश्यकता है, आपको तय करना है कि आप आगे आने वाली पीढ़ी को किस तरह का प्रदेश देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के नौजवानों का भविष्य दाव पर लगा है। उसकी चिंता इस सरकार को नहीं है। हमारी सरकार आने पर हम फिर से किसानों का कर्ज माफ करने का काम करेंगे। हम स्कूल की शिक्षा कों पूरी तरह से मुफ्त करने और स्कूल के बच्चों को आर्थिक मदद करने का काम करेंगे।

'विशेष आवश्यकता' वाले बच्चों के विकास के लिए समेकित प्रयास की जरूरत : धनखड़

नयी दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को 'विशेष आवश्यकता' वाले बच्चों के पूर्ण विकास के लिए समेकित प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह शिक्षा ही नहीं बल्कि एक पर्यावरण, एक पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करे जो ऐसी चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों के विकास को सकारात्मक रूप से बढ़ावा दे। ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के लिए विद्यालय का उद्घाटन करने के अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कहा, ''जब आप जानते हैं कि अंतत: यह ठीक नहीं हो सकता तो आपकी कोशिश कहीं अधिक होनी चाहिए।'' धनखड़ ने कहा कि लोगों को महसूस करना चाहिए कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के परिवार क्या महसूस करना चाहते हैं। उन्होंने अभिभावकों की चिंता को रेखांकित करते हुए कहा, ''सबसे बड़ी चिंता रहती है कि मेरे जाने के बाद बच्चे का क्या होगा।'' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने उम्मीद जताई कि इसी तरह की पहल लड़कियों के लिए भी की जाएगी क्योंकि रविवार को जिस स्कूल का उद्घाटन किया गया वह केवल लड़कों के लिए है।

सर्वे कर रहे हैं भाजपा की प्रचंड जीत का इशारा : दिया

जयपुर। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में जयपुर के विद्याधरनगर क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार एवं सांसद दिया कुमारी ने इन चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत का दावा करते हुए कहा है कि चुनाव को लेकर अब तक हुए सभी सर्वे भी भाजपा की जीत की और इशारा कर रहे हैं।

अयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति स्थापना में शामिल हो पूरा हिंदू समाज : आलोक

रामगढ़। विश्व का हिंदू समाज अयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति स्थापना की बाट जोह रहा है। 22 जनवरी, 2024 वह दिन तय हो चुका है, जब मंदिर में श्रीराम की मूर्ति स्थापित होगी। इस कार्यक्रम में हिंदू समाज के लोग शामिल हों, इसके लिए विश्व हिंदू परिषद पूरे समाज का आह्वान कर रहा है।यह बातें रविवार को रामगढ़ पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को हिंदू समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास के मंदिरों में इकट्ठा हो और उस प्रतिमा स्थापना का दृश्य देखे। साथ ही वहां होने वाली सामूहिक आरती में भी शामिल हो। रामगढ़ दौरे पर पहुंचे विहिप नेता ने शहर के रेलवे स्टेशन के समीप विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यालय का उद्घाटन भी किया। इस दौरान स्वामी विवेक नाथ एवं स्वामी विराट नाथ भी वहां मौजूद थे। इस दौरान आलोक कुमार ने कहा कि झारखंड में सरकार हिंदुओं के प्रति सजग नहीं है। जब भी कोई वारदात होती है तो वोट को ध्यान में रखकर यह सरकार मुसलमानों के प्रति ममता दिखने लगती है। अब हिंदू समाज को वैसी सरकारों को चुनना चाहिए जो उनके समाज के हित के बारे में सोचे। राजनीतिक दल कोई भी हो लेकिन जो हिंदुओं के बारे में सोचेगा, उसे ही हिंदू समाज को अपनाना चाहिए। आलोक कुमार ने 22 जनवरी को अयोध्या श्रीराम मंदिर का हो रहे प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में सभी हिंदू जनमानस को आमंत्रित करते हुए कहा कि उस दिन झारखंड सहित देश में दीपोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन झारखंड में कोई भी घर ऐसा न हो जिसमे दीपक न जले। समस्त हिंदू जनमानस को अपने-अपने क्षेत्र के मंदिरों में एकत्रित होकर कार्यक्रम के 24 घंटा पूर्व से धार्मिक अनुष्ठान करे एवं अयोध्या में हो रहे कार्यक्रमों का अपने-अपने मंदिरों में स्क्रीन या टीवी के माध्यम से अवलोकन करें। साथ ही अयोध्या में भगवान रामलीला का आरती जिस समय हो उस समय सभी जनमानस अपने-अपने मंदिर में ही खड़ा होकर आरती करें। आलोक कुमार ने कहा कि भगवान श्रीराम को अपने मकान के लिए 496 वर्षो का इंतजार करना पड़ा लेकिन जल्द ही मथुरा और काशी में भी भगवान अपने मूल मंदिर में विराजमान होंगे। हालांकि, अभी यह मामला कोर्ट में है लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही हिंदू संगठनों के पक्ष में फैसला आएगा। भगवान वाल्मीकि आश्रम के स्वामी विवेकनाथ ने कहा कि भगवान वाल्मीकि ने रामायण की रचना कर श्रीराम की नीति, मर्यादा एवं आदर्श को हमारे समाज में रखा। श्रीराम को घर-घर तक ले जाने में भगवान वाल्मीकि का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज सदैव से समरस समाज रहा है। काल खंडों में जात-पात, ऊंच-नीच का भेदभाव देकर समाज को तोड़ने का प्रयास किया है। आज पुन: विश्व हिंदू परिषद समाज को समरस करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार डेंगू की चपेट में

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को डेंगू हो गया है और चिकित्सकों ने उन्हें अगले कुछ दिनों तक आराम करने की सलाह दी है।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने रविवार को यह जानकारी दी। पिछले कुछ दिनों से कुछ राजनीतिक और आधिकारिक कार्यक्रमों में श्री पवार के नजर नहीं आने के बाद तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। श्री पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर बताया कि श्री पवार को डेंगू हो गया है। उन्होंने कहा, "मीडिया की उन अटकलों वाली खबरों के विपरीत, जिनमें कहा जा रहा है कि अजित पवार सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो रहे हैं, मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि उन्हें कल से डेंगू का पता चला है और उन्हें चिकित्सीय मार्गदर्शन और अगले कुछ दिनों तक आराम करने की सलाह दी गई है।"
उन्होंने कहा, "अजीत पवार अपनी सार्वजनिक सेवा जिम्मेदारियों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। एक बार जब वह पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे, तो वह अपने समर्पित सार्वजनिक कर्तव्यों को जारी रखने के लिए पूरी ताकत से वापस आएंगे।"

राहुल का मोदी सरकार पर स्कूल कालेज और अस्पतालों को पूंजीपतियों को सौंपने का आरोप

कवर्धा (छत्तीसगढ़)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा पर सार्वजनिक उपक्रमों के साथ ही स्कूल कालेज और अस्पतालों को पूंजीपतियों को सौंपने का आरोप लगाते हुए छत्तीसगढ़ के किसानों गरीबों मजदूरों को भरोसा दिलाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जितना भी पैसा अडानी को देंगे उतना ही पैसा उनकी सरकार उन्हे देंगी। श्री गांधी ने आज यहां एक बड़ी चुनावी सभा में कहा कि मोदी एवं भाजपा स्कूल कालेज अस्पताल सारा का सारा अरबपतियों को पकड़ा दे रहे है, ऐसा देश हमें नही चाहिए। सरकार का काम गरीबों की रक्षा करने का होता है। सरकार का काम स्कूल कालेज अस्पताल चलाने का होता है। छत्तीसगढ़ में इसीलिए केजी से पीजी तक की सरकारी स्कूल कालेजों में मुफ्त शिक्षा का उनकी पार्टी ने वादा किया है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अडानी को जितना भी पैसा देंगे उतना ही पैसा कांग्रेस की फिर छत्तीसगढ़ में सरकार बनने पर किसानों गरीबों मजदूरों को वह देंगी। दिल्ली में उनकी सरकार नही है, दिल्ली में जब सरकार होगी तब देखना क्या होता है। मजाक बना कर रखा है, देश किसानों मजदूरों का है, लेकिन लगता है कि अडानी हैं कोई नही। उन्होने कहा कि लिख कर ले लीजिए जितना पैसा देंगे उतना मैं किसानों मजदूरों को दूंगा, और उससे भी पैसा लेकर आपको दूंगा। छत्तीसगढ़ में विकास की असीम संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ देश का धान का कटोरा नही रहे बल्कि वह दुनिया का कटोरा बने, ऐसी उनकी सोच है। उन्होने कहा कि दिल्ली में सरकार बनने पर छत्तीसगढ़ में दो तीन अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट खोलेंगे, जिससे यहां का धान पूरी दुनिया में पहचान स्थापित कर सके।उन्होने फ्रूड प्रोसेसिंग यूनिटों का भी जाल बिछाने का भरोसा दिलाया। उन्होने जाति जनगणना पर मोदी सरकार को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस केन्द्र में सत्ता में आते ही यूपीए सरकार के समय में हुई जाति जनगणना के आकड़ों को सार्वजनिक कर देंगी। उन्होने पूछा कि आखिर इन आकड़ों को मोदी जी को जारी करने में क्या दिक्कत हैं। उन्होने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि जिस दिन भी उन्होने जाति जनगणना की बात शुरू कर दी उस दिन से टेलीविजन पर उनका चेहरा नही दिखेगा, गायब हो जायेंगे। श्री गांधी ने छत्तीसगढ़ के लिए कांग्रेस द्वारा की गई घोषणाओं का फिर उल्लेख करते हुए लोगो को भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार बनने पर सभी वादे पहले की तरह पूरे किए जायेंगे। जनसभा को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं विधानसभा अध्यक्ष डा.चरणदास महंत ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ मंत्री एवं कवर्धा के कांग्रेस प्रत्याशी मोहम्मद अकबर ने किया।

सिलसिलेवार विस्फोटः विजयन ने सोमवार को बुलाई सर्वदलीय बैठक

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने रविवार को यहां कलामसेरी के एक ईसाई सम्मेलन केंद्र में कई विस्फोटों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के सोमवार को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस घटना में एक महिला की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। एक आधिकारिक संदेश में कहा गया है कि बैठक राजधानी तिरुवनंतपुरम में सरकारी सचिवालय के सुविधा हॉल में होगी। इस बीच श्री विजयन ने महिला की मौत पर शोक जताते हुए कहा कि दोषियों को सामने लाया जाएगा।केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने एक संदेश में कहा, "कालामस्सेरी में एक धार्मिक सभा में विस्फोट के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मृतकों के परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना।" मौके पर पहुंचे केरल के पुलिस महानिदेशक शेख दरवेश ने मीडियाकर्मियों से कहा कि सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने वाली भड़काऊ खबरें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि कोच्चि के कलामस्सेरी कन्वेंशन सेंटर में हुए विस्फोट की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाएगा।

मराठों और धनगरों को आरक्षण दें, जरांगे की जिंदगी से न खेलें : उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लाभों को प्रभावित किये बिना मराठा और धनगर समुदायों को नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण दिया जाना चाहिए। दूसरी ओर, मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस की 'ब्राह्मण' वाली टिप्पणी पर उनकी आलोचना की। फडणवीस ने समाचार चौनल पर कहा था कि ब्राह्मण होने के कारण उन्हें आसानी से निशाना बनाया जा रहा और वह अपनी जाति बदलने के लिए कुछ नहीं कर सकते। मराठा समुदाय का एक वर्ग आरक्षण उद्देश्यों के लिए ओबीसी श्रेणी में शामिल किये जाने की मांग कर रहा है, जबकि धनगर एसटी का दर्जा चाहते हैं। ठाकरे ने एक बयान में कहा कि भूख हड़ताल पर बैठे मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के जीवन से खेलने के बजाय, एकनाथ शिंदे सरकार को इस समुदाय को आरक्षण देना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि सामाजिक ताना बाना प्रभावित न हो। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 'मन की बात' कर रही है, जबकि उसके 'मन' में कोई भावना है ही नहीं। ठाकरे ने आरोप लगाया, ''जरांगे की जिंदगी बचाने का उसका (सरकार का) कोई इरादा नहीं है।'' उन्होंने कहा कि मराठा समुदाय के युवा आरक्षण की मांग को लेकर आत्महत्या कर रहे हैं।
ठाकरे ने पूछा, ''क्या सरकार (इस) समुदाय के लोगों की मौत के बाद आरक्षण का आदेश देगी?'' आरक्षण की मांग के समर्थन में पिछले कुछ महीनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में मराठा समुदाय के सदस्यों द्वारा आत्महत्या करने की कई खबरें आई हैं। उधर, फडणवीस के बयान की अलोचना करते हुए जरांगे ने जालना में कहा, ''अगर वह अपनी जाति नहीं बदल सकते, तो हम मराठा भी अपनी जाति नहीं बदल सकते। वह गलतियां कर रहे हैं और इसीलिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। फडणवीस को जाति के मुद्दों पर चर्चा करने से बचना चाहिए।'' जरांगे ने कहा कि फडणवीस द्वारा एक सितंबर को यहां आरक्षण कार्यकर्ताओं पर पुलिस कार्रवाई के लिए 'माफी मांगने' के बाद उन्हें (फडणवीस को) माफ कर दिया है। जरांगे ने कहा, ''फडणवीस को महाराष्ट्र विधानमंडल का एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए और मराठों को आरक्षण देने के लिए एक कानून पारित करना चाहिए। समुदाय इस तरह के कदम के लिए उनका बेहद सम्मान करेगा।'' जरांगे ने जालना के संरक्षक मंत्री और भाजपा नेता अतुल सावे की उनके 'मराठा विरोधी रुख' के लिए आलोचना की और आरक्षण मुद्दे का समर्थन करने के लिए केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले तथा वंचित बहुजन आघाड़ी नेता प्रकाश आंबेडकर की सराहना की। जरांगे समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर 25 अक्टूबर से जालना में आमरण अनशन पर हैं।

खट्टर ने की ग्रुप डी भर्ती अगले माह तक पूरा करने की घोषणा

सिरसा। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने रविवार को कहा कि ग्रुप डी की भर्ती का कार्य अगले माह तक पूरा कर लिया जाएगा और राज्य सरकार युवाओं को जल्द ही नौकरी देने का कार्य करेगी। श्री खट्टर ने कहा कि 21 अक्टूबर को ली गई परीक्षा का परिणाम एक माह में तैयार हो जाएगा जिसके तुंरत बाद भर्ती कर ली जाएगी। इस भर्ती हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन का कोई रोल नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि सिरसा में बनने वाले मेडीकल कॉलेज का नाम सिरसा के संस्थापक संत सरसाईनाथ के नाम होगा। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के भवन निर्माण की मंजूरी सरकार द्वारा दी जा चुकी है और जल्द ही इसका निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा श्री खट्टर आज यहां लोक निर्माण विश्राम ग्रह में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसके बाद सिरसा के पत्रकारों ने पेंशन बढ़ाए जाने पर मुख्यमंत्री का शॉल भेंट कर आभार व्यक्त किया। इससे पहले मुख्यमंत्री सिरसा के गांव सिकंदरपुर स्थित डेरा ब्यास में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने साध संगत के साथ बैठकर महाराज गुरविंद्र सिंह ढिल्लों की शब्दवाणी सुनी। तत्पश्चात मुख्यमंत्री ने महाराज गुरविंदर सिंह ढिल्लो को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद श्री खट्टर सिरसा के नागरिक अस्पताल में बने नशा मुक्ति केंद्र पहुँचे और वहां भर्ती युवकों से मुलाकात की। इस मौके पर नशा मुक्ति को लेकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को निर्देश देते हुए कहा कि नशे के खिलाफ स्पेशल अभियान चलाकर दोषियों पर कानूनी कारवाई की जाए ताकि नशा को जड़मूल से खत्म किया जा सके। इसके बाद मुख्यमंत्री ने थेहड़ मौहल्ला से हाउसिंग बोर्ड में विस्थापित 750 से अधिक परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं भी सुनी। उन्होंने कहा की कोर्ट के आदेशों के अनुसार जिन परिवारों को पुरातत्व विभाग की जमीन से हाउसिंग बोर्ड के फ्लैटो में अस्थाई तौर पर बसाया गया था उन्हें जल्द ही सलारपुर गांव में जमीन खरीदकर 100-100 गज के प्लॉट दिए जाएंगे। श्री खट्टर ने सिरसा अनाज मंडी का निरीक्षण कर फसल खरीद की समीक्षा की ओर किसानों व व्यापारियों की समस्याएं भी सुनी। उन्होंने मंडी में नया सीवरेज सिस्टम बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी मंडियों में मरम्मत के कार्य मार्किट कमेटी द्वारा किये जायेंगे, जिसके लिये मंडी दुकानदारों को निर्धारित वार्षिक शुल्क देना होगा। उन्होंने सिरसा की ऑटो मार्केट का निरीक्षण करने उपरांत दुकानदारों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए कहा कि 1997-98 में ऑटो मार्केट सिरसा से ली गई 70 लाख रुपये की राशि बैंक ब्याज सहित वापस लौटाई जाएगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने ऑटो मार्केट में दुकानें, पेट्रोल पंप, सर्विस स्टेशन, रेस्टोरेंट आदि के लिए निर्धारित भूमि अलॉट करने की भी घोषणा की। इस दौरान विधायक सिरसा गोपाल कांडा, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश चोपड़ा, भाजपा महामंत्री सुरेंद्र आर्य, प्रदीप रातुसरिया, गोविंद कांडा, श्याम बजाज, अनाजमंडी प्रधान मनोहर मेहता, ऑटो मार्केट प्रधान विजय बठला भी मौजूद थे।

कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने प्रधानमंत्री मोदी से स्वर्ण मंदिर की प्रतिकृति की नीलामी नहीं करने का आग्रह किया

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से रविवार को आग्रह किया कि वह प्रधानमंत्री के रूप में उन्हें उपहार में मिली स्वर्ण मंदिर की प्रतिकृति की नीलामी न करें। प्रधानमंत्री को मिले स्वर्ण मंदिर के मॉडल सहित कई उपहार और स्मृति चिन्ह की वर्तमान में ई-नीलामी हो रही है। दो अक्टूबर से शुरू हुई ई-नीलामी 31 अक्टूबर को खत्म होगी। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में तिवारी ने कहा, ''श्री हरमंदिर साहिब सिख धर्म का सबसे पवित्र तीर्थस्थल है। यह दुनियाभर में पंजाबियों के संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है।'' आनंदपुर साहिब के सांसद ने कहा कि यह प्रधानमंत्री को बहुत सम्मान और श्रद्धा के साथ दिया गया उपहार रहा होगा। तिवारी ने सुझाव दिया कि यदि प्रधानमंत्री मोदी इस उपहार को नहीं रख सकते हैं या नहीं रखना चाहते हैं, तो उन्हें इसे उन्हें दे देना चाहिए, ताकि वह इसे श्री आनंदपुर साहिब में सम्मान और गरिमा के साथ रख सकें। उन्होंने कहा कि हर चीज एक वस्तु की तरह बिक्री योग्य या खरीदने योग्य नहीं है, और यहां तक कि हरमंदिर साहिब की प्रतिकृति भी सभी पंजाबियों, सिखों और हिंदुओं के लिए समान रूप से पवित्र है। सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर सहित पंजाब के विभिन्न मुद्दों पर राज्य सरकार द्वारा एक नवंबर को प्रस्तावित चर्चा का जिक्र करते हुए तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र में बहस और चर्चा करना अच्छी बात है, लेकिन सरकार को उच्चतम न्यायालय में मामले का बचाव करने में अपनी ऊर्जा और संसाधन खर्च करने चाहिए। उन्होंने कहा कि मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है, जहां पंजाब सरकार को इसका मजबूती से बचाव करने की जरूरत है लेकिन ऐसा फिलहाल होता नहीं दिख रहा है।

युवक ने पहली 'डेट' पर जाने के लिए भाजपा नेता से पैसे मांगे

कोहिमा। आम तौर पर नेताओं के पास नौकरियों और प्रशासनिक काम में सहयोग, शादियों के वास्ते पैसे एवं आपात चिकित्सा स्थिति में मदद के अनुरोध आते हैं लेकिन नगालैंड में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष तेमजिन इमना एलोंग के पास मदद का जो अनुरोध आया है वह कुछ अलग था। एक युवक ने अपनी 'ड्रीम गर्ल' के साथ पहली 'डेट' (प्रेमिका से मुलाकात) पर जाने से पहले एलोंग से वित्तीय मदद मांगी है। अरविंद पांडा नामक इस युवक ने उन्हें भेजे एक पत्र में कहा है, ''सर, मैं 31 अक्टूबर को पहली बार अपनी 'ड्रीमगर्ल' के साथ 'डेट' पर जा रहा हूं लेकिन अबतक मेरे पास कोई नौकरी नहीं है। इसलिए आपसे थोड़ी मदद की गुजारिश है। कृपया कुछ कीजिए।'' सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसका स्क्रीनशॉट साझा करते हुए प्रदेश भाजपा प्रमुख ने सवाल किया, ''बताओ मैं क्या करुं?'' उनके इस पोस्ट पर लोगों ने कई मजेदार जवाब दिये। एक ने एलोंग को उसकी (अरविंद की) जगह डेट पर चले जाने की सलाह दी। एक अन्य ने उन्हें उसकी 'डेट' का खर्चा उठाने का सुझाव दिया। 'एक्स' के एक उपयोगकर्ता ने कहा कि 'प्रेमी' को विधायक बना दिया जाना चाहिए। कई लोगों ने एलोंग से उसे नौकरी दिलाने का अनुरोध किया। अरविंद को भी कई लोगों ने सलाह दी है। उसे 'द आर्ट ऑफ बीइंग एलोन' नामक पुस्तक पढ़ने या अपने माता-पिता की पसंद की लड़की से शादी कर लेने को कहा गया है। लेकिन कई लोग ऐसे भी हैं जिनकी राय इन सबसे अलग है। उन्होंने कहा कि इस युवक की अनदेखी की जानी चाहिए क्योंकि उसे जीवन के कठोर तथ्यों को सीखने की जरूरत है।

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर राकांपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से अनुरोध किया कि वह राज्य सरकार को मराठा समुदाय के आरक्षण आंदोलन में हस्तक्षेप करने का निर्देश दें। प्रतिनिधिमंडल में राकांपा की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले, राकांपा के प्रदेश प्रमुख जयंत पाटिल और पार्टी नेता जितेंद्र आव्हाड शामिल थे। जयंत पाटिल ने कहा कि महाविकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के नेता सोमवार को फिर राज्यपाल से मुलाकात करेंगे। पाटिल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''हम मांग करते हैं कि मराठा समुदाय को जल्द से जल्द आरक्षण दिया जाए। राज्यपाल को इस संबंध में राज्य और केंद्र सरकार से बात करनी चाहिए। हमने राज्यपाल से मौजूदा स्थिति के बारे में केंद्र के साथ संवाद करने का आग्रह किया। कई समितियां गठित की गई हैं लेकिन कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।'' मराठा समुदाय अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहा है। विरोध के दूसरे चरण के तहत मराठा आरक्षण की मांग कर रहे कार्यकर्ता मनोज जरांगे के 25 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने के बाद आंदोलन तेज हो गया है। उनकी अपील पर कई गांवों ने राजनीतिक नेताओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।

बंगाल के संसाधनों को लूट रही तृणमूल कांग्रेस, लोगों को कर रही वंचितः भाजपा

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य के संसाधनों को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) लूट रही है और लोगों को उनकी जरूरत की चीजों से वंचित कर रही है। मजूमदार ने 'अमृत कलश यात्रा' के मौके पर प्रदेश इकाई की ओर से आयोजित एक समोरह को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में एक के बाद एक टीएमसी नेता जेल जा रहे हैं और कोई नहीं जानता कि यह सिलसिला आखिर कहां जाकर खत्म होगा। बलूरघाट से सांसद मजूमदार ने आरोप लगाया, "एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम के तहत देश के वीर जवानों को श्रद्धांजलि दे रहे है, वही दूसरी तरफ टीएमसी राज्य के संसाधनों को लूटकर लोगों को वंचित कर रही है।" उन्होंने कहा, ''मंत्री पार्थ चटर्जी के बाद अब ज्योति प्रिया मलिक को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। विधायक माणिक भट्टाचार्य पहले से ही जेल में बंद हैं। टीएमसी एक के बाद एक वरिष्ठ नेताओं के कारनामे अब सबके सामने आ रहे हैं। हमें हैरानी है, यह कहां खत्म होगा।'' मजूमदार ने कहा कि टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं ने लाखों लोगों को ठगा है, इसलिए भाजपा राज्य सरकार के ऐतिहासिक भ्रष्टाचार को लेकर सड़कों पर उतरेगी। भाजपा नेता दिलीप घोष, अग्निमित्र पॉल और राहुल सिन्हा भी रैली में मौजूद थे। यह रैली कॉलेज स्क्वायर से शुरू हुई और एस्प्लेनेड पर जाकर खत्म हुई। भाजपा के एक नेता ने कहा कि करीब 1400 लोगों ने राज्य के 344 ब्लॉक से मिट्टी एकत्र की, जिसे कोलकाता रेलवे स्टेशन से एक विशेष ट्रेन में नयी दिल्ली ले जाया जाएगा।

गुजरात : घर में फंदे से लटका मिला युवक, 'सुसाइड नोट' में लिखा कांग्रेस विधायक का नाम

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले के चोरवाड गांव में 28 वर्षीय एक युवक का शव घर में फंदे से लटका मिला। पुलिस को आशंका है कि उसने आत्महत्या की है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतक के पास से मिले कथित सुसाइड नोट में उसने लिखा है कि वह यह कठोर कदम अपने ससुराल वालों और एक कांग्रेस विधायक की वजह से उठा रहा है। पुलिस निरीक्षक के.एम. गढ़वी ने बताया कि नितिन परमार का शव शनिवार-रविवार की दरमियानी रात उसके घर में छत से लटका मिला। उन्होंने कहा, ''प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का लगता है। मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम से चलेगा जिसका इंतजार है। सुसाइड नोट की फॉरेंसिक जांच की जा रही है।'' गढ़वी ने बताया कि पुलिस को परमार से कथित सुसाइड नोट मिला है जिसमें उसने अपने ससुर, सास और विधायक विमल चूडासामा सहित तीन लोगों के नाम लिखे है। चूडासामा ने स्वीकार किया कि परमार उनका रिश्तेदार है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यह हत्या का मामला लगता है लेकिन उन्हें बदनाम करने के लिए इसे आत्महत्या दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''जिस व्यक्ति ने मेरा नाम सुसाइड नोट में लिखा है, उससे दो साल से बात नही हुई है। वह मेरे रिश्तेदार का बेटा है। उसके शरीर पर चोट के निशान को देख उसके परिवार का मानना है कि उसकी हत्या की गई है। मेरा मानना है कि सुसाइड नोट मेरे खिलाफ साजिश है।

प्री डायबिटीज को किया जा सकता है रिवर्स

केवल शकर खाने से ही कोई प्री-डायबिटिक नहीं हो जाता, बल्कि जिन लोगों में सामान्य से अधिक मात्रा में हेल्दी ब्लड शुगर पाया जाता है उनमें भी टाइप 2 डायबिटीज होने का खतरा 5 से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। इतना ही नहीं प्री-डायबिटिक में हार्ट अटैक, स्ट्रोक, डिमेंशिया, किडनी और आंखों के डैमेज होने, रक्तसंचार सुचारू नहीं होने से पैरों में दर्द का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में प्री-डायबिटीज की पहचान करना जरूरी हो जाता है।

वजन से डायबिटीज पर कंट्रोल

अधिकांश प्री-डायबिटिक को इस बात की जानकारी ही नहीं होती कि उन्हें यह समस्या है। इस वजह से वे समय पर सही कदम नहीं उठा पाते और डायबिटीज के मरीज बन जाते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की रिसर्च के अनुसार दवाओं की तुलना में लाइफस्टाइल में परिवर्तन करने से अधिक लाभ मिलता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि पांच चीजें ऐसी हैं जो कैंसर की आशंका को महिलाओं में 84 प्रतिशत और पुरुषों में 72 प्रतिशत तक कम कर सकती है, जैसे- पोषण युक्त आहार, नियमित व्यायाम, संतुलित वजन, अल्कोहल का कम सेवन और धूम्रपान पर रोक।

पॉइंटर

-केवल 7 प्रतिशत तक वजन कम कर लेने से शरीर इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया करने में सक्षम हो जाता है।

-इंसुलिन हॉर्मोन शरीर को 57 प्रतिशत तक ब्लड शुगर उपयोग कर लेने का संकेत देता है।

कैलोरी पर कंट्रोल

कुछ आसान उपायों से प्री-डायबिटीज को रिवर्स किया जा सकता है जिसमें आहार की मात्रा पर नियंत्रण, सैचुरेटड फैट कम करना, जोकि डेयरी प्रोडक्ट और वसायुक्त मांस में पाया जाता है, फलों, सब्जियों और साबुत अनाजों के जरिए पर्याप्त मात्रा में फाइबर प्राप्त करना, हर दिन कम से कम 30 मिनट का व्यायाम या एक्टिविटी में शामिल होना। डायबिटीज के कारण चूंकि हार्ट अटैक और स्ट्रोक, किडनी फेल्यिर, नर्व डैमेज, सेक्सुअल समस्याओं, असामान्य रक्तसंचार का खतरा भी बढ़ जाता है इसलिए उपरोक्त उपायों के जरिए इन खतरों से भी दूर रहा जा सकता है।

इन खतरों के बारे में अपने डॉक्टर से करें बात...

-यदि आप 45 साल के हो चुके हैं।

-वजन अधिक है।

-माता-पिता या भाई या बहन में से किसी को डायबिटीज की समस्या है।

-गर्भावस्था के दौरान डायबिटीज की समस्या रही हो या अधिक वजन वाले बच्चे को जन्म दिया हो।

-शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय ना रहते हों।

कुछ बातें हो सकती हैं कारगर...

-फैट और कैलोरी पर नजर रखना सबसे बड़ा टास्क होता है। इसके लिए एप की मदद ली जा सकती है, जो प्री-डायबिटिक के खाने के रूटीन को ट्रैक करता रहे। इसके जरिए फैट और कैलोरी पर नियंत्रण करना संभव हो सकता है।

-रोगी को प्रोत्साहित करने के लिए परिवार का साथ भी बेहद जरूरी है। यदि घर में ही खाने-पीने और व्यायाम का हेल्दी माहौल हो तो इससे तालमेल बिठाने में अधिक परेशानी नहीं होगी। परिवार का कोई सदस्य वॉक पर या जिम में रोगी का साथ दे सकता है।

-टेलीविजन देखने के दौरान खाते रहना भी डायबिटीज को आमंत्रण दे सकते हैं। इस दौरान न तो हमें अपने खाने की मात्रा का ध्यान रहता है और न ही इस बात का कि हम क्या खा रहे हैं?

-पोषक तत्वों के बारे में सही-सही जानकारी के लिए किसी आहार विशेषज्ञ की मदद भी ली जा सकती है और उनके निर्देशों के मुताबिक डाइट चार्ट तैयार किया जा सकता है।

कॅरियर की अपार संभावनाएं हैं चिप डिजाइनिंग में

आज चिप डिजाइनर की हर सेक्टर में काफी डिमांड है, फिर चाहे वह ऑटोमोबाइल सेक्टर हो या कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक या रोजाना की जिंदगी सभी में चिप्स का रोल बढ़ता जा रहा है, मोबाइल, टीवी रिमोट और डिश वॉशर्स में चिप का इस्तेमाल हो रहा है, ऐसे में चिप डिजाइनर्स की डिमांड होना स्वाभाविक है। आप इस इंडस्ट्री से डिजाइन इंजीनियर, प्रोडक्ट इंजीनियर, टेस्ट इंजीनियर,

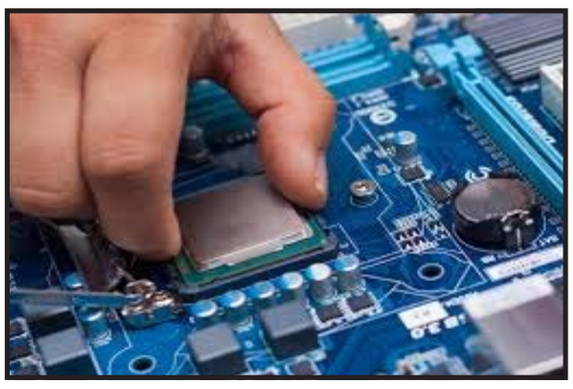

एप्लीकेशनध्सिस्टम्स इंजीनियर, प्रॉसेस इंजीनियर, पैकेजिंग इंजीनियर, सीएडी इंजीनियर आदि के रूप में जुड़ सकते हैं। अगर आप इंजीनियरिंग कर रहे हैं और टेक्निकल के साथ-साथ कोई चौलेंजिंग और क्रिएटिव वर्क भी करना चाहते हैं, तो चिप डिजाइनिंग में करियर बना सकते हैं। चिप सिलिकॉन का एक छोटा और पतला टुकड़ा होता है, जो मशीनों के लिए इंटीग्रेटेड सर्किट बेस का काम करता है। जरूरी योग्यता चिप इंडस्ट्री में मुख्य कार्य डिजाइन, प्रोडक्शन, टेस्टिंग, एप्लीकेशंस और प्रॉसेस इंजीनियरिंग से जुड़ा होता है। इस क्षेत्र से जुडने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, टेली कम्यूनिकेशन या कम्प्यूटर साइंस में बीई या बीटेक की डिग्री होनी जरूरी है। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के साथ हार्डवेयर की पर्याप्त नॉलेज होती है, उनके लिए भी इसमें काफी मौके हैं जो लोग इस फील्ड में आना चाहते हैं। उन्हें टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट्स से अपडेट रहना होगा और लेटेस्ट इनोवेशंस की जानकारी रखनी होगी। आईसी से संबंधित जानकारी के अलावा आपको असेम्ब्ली लेवल प्रोग्रामिंग व सी प्रोग्रामिंग का भी ज्ञान जरूरी है। इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रीम के स्टूडेंट्स, जिनकी मैथमेटिकल और एनालिटिकल स्किल स्ट्रॉन्ग होती है, वे कामयाब चिप डिजाइनर बन सकते हैं। वैसे, जिन्हें कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के साथ हार्डवेयर की पर्याप्त नॉलेज होती है, उनके लिए भी इसमें काफी मौके हैं। जो लोग इस फील्ड में आना चाहते हैं, उन्हें टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट्स से अपडेट रहना होगा और लेटेस्ट इनोवेशंस की जानकारी रखनी होगी। वहीं, कम्युनिकेशन और टीम में काम करने जैसी पर्सनल स्किल्स भी जरूरी हैं। एम.टेक एम्बेडेड सिस्टम टेक्नोलॉजी एम.टेक एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन एम.टेक माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई डिजाइन एम.टेक वीएलएसआई डिजाइन, एम.टेक वीएलएसआई डिजाइन और एम्बेडेड सिस्टम वीएलएसआई और एम्बेडेड सिस्टम में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा वीएलएसआई डिजाइन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (कॉरस्पॉन्डेंटध् डिस्टेंट एजुकेशन) होना भी जरूरी है। व्यक्तिगत गुण बेहतर चिप डिजाइनर बनने के लिए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के साथ हार्डवेयर में भी उचित जानकारी जरूरी है। विश्लेषणात्मक और समस्याओं को हल करने की क्षमता, बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स, टीम में काम करने की क्षमता, आत्म प्रेरित, स्वीकार करने की क्षमता, शांत, सहनशील, धैर्य, तार्किक और तुरंत निर्णय लेने वाले तमाम गुण आपके अंदर होंगे तभी इस फील्ड में आने का सोचें। कैसे होता है चिप तैयार आईटी की भाषा में कहें तो चिप सिलिकन का काफी सूक्ष्म व पतला टुकड़ा होता है, जो इंटिग्रेटेड सर्किट के लिए आधार तैयार करता है। देखा जाए तो चिप की मांग लगभग हर क्षेत्र में होती है फिर चाहे वह ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स या हाई-एंड सर्वर्स ही क्यों न हो। इंजीनियरिंग छात्र जो बोरिंग सॉफ्टवेयर की नौकरी से इतर कुछ रचनात्मकता और चुनौतीपूर्ण काम करना चाहते हैं तो इस क्षेत्र का चुनाव कर सकते हैं।

जीमेल अकाउंट की करें सफाई और बनाएं स्पेस

यदि आपका जीमेल अकाउंट काफी ज्यादा भर गया है और नए ईमेल्सन के लिए स्था न नहीं है, तो उलझन में मत पड़िए और इनबॉक्स को साफ करिए। स्पेस बनाने के लिए आपने कई मैसेज को ट्रैश में डाल सकते हैं। अगर आपने वहां से भी ईमेल्स को परमानेंट डिलीट नहीं किया है तो स्पेस नहीं बढ़ेगा। हालांकि जीमेल खुद ब खुद ही 30 दिनों में ट्रैश खाली करता है पर यदि आपने ढेर सारे मैसेज अभी ट्रैश में डाले है तो तुरंत स्पेस नहीं दिखेगा। मैसेज को पूरी तरह से डिलीट करने के लिए, अपना वेब ब्राउजर खोलकर जीमेल अकाउंट में लॉग इन करें, स्क्रीन के बाईं ओर ट्रैश लिंक पर क्लिक करें। यदि आपको ट्रैश नहीं दिख रहा तो मोर आइकन को क्लिक करें अगर तब भी ट्रैश नहीं दिख रहा तो स्क्रिन के दायीं तरफ गियर आइकन पर सेटिंग्स में जाएं फिर लेबल्सप पर क्लिक करें और तब ट्रैश मिल जाएगा। जब आपके स्क्रिन पर डिसकार्डेड मैसेज की लिस्टा दिख जाए तो मेल बॉक्सि के ऊपर दिखने वाले एमटी ट्रैश नाउ पर क्लिक कर दें। इसके

बाद आने वाले अलर्ट बॉक्सर में क्लिक कर दें कि आप पूरी तरह मैसेज को डिलीट करना चाहते हैं और जीमेल आपके अकाउंट स्टोरेज से हमेशा के लिए हटा देगा। जीमेल, गूगल प्लमस फोटोज और गूगल ड्राइव के बीच शेयरिंग के लिए गूगल 15गीगाबाइट फ्री स्टोरेज देता है। आप प्रत्येाक सर्विस के द्वारा उपयोग किए जा रहे डाटा के अमाउंट को यहां देख सकते हैं- एचटीटीपी: डब्लूडब्लूडब्लू डाट गूगल डाट कॉम/सेटिंग्स/स्टोरेज इनबॉक्स में स्पेस बनाने के लिए कुछ टूल्सर का उपयोग भी कर सकते हैं। ऐसा ही एक टूल है फाइंड बिग मेल। सबसे पहले फाइंड बिग मेल वेबसाइट पर जाएं। यहां अपना जीमेल आईडी टाइप करके, फाइंड बिग मेल पर क्लिक करें। अब गूगल आपसे अथोराइज सर्विस मांगेगा। यहां आप अपना पासवर्ड लिखकर अलाउ एक्सेास पर क्लिक करें। अब यह सर्विस आपका इनबॉक्सक स्कैमन करके बड़े ईमेल्सय की सूची प्रदर्शित करेगा। इसमें आप फिल्टोर भी सेट कर सकते हैं। मसलन आपको अपने इनबॉक्सव में से कितने आकार के ईमेल खोजने हैं। जैसे 1एमबी, 5एमबी या 10एमबी. आप अपनी जरूरत के मुताबिक विकल्पा चुनिए। और फिर डिलीट बटन दबाइए।

सम्पादकीय

लाखों लोग भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता क्यों ले रहे हैं

बिहार और उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में लोग अपने रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में जाते हैं. कहा जाता है कि पलायन तब होता है। जब लोगों को अपने ही प्रदेश में रोजगार नहीं मिलता है। उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थितियां खराब होती हैं। भारत से बड़ी संख्या में पलायन करके लोग विदेश की नागरिकता ले रहे हैं। इनमें अधिकांश लोग करोड़पति और अरबपति बताए जा रहे हैं। माना जा रहा है, कि 2014 के बाद से देश की स्थितियों में जो आर्थिक, सामाजिक एवं शासन प्रणाली में बदलाव आया है। उसके बाद से बड़ी तेजी के साथ भारत से पलायन बढ़ गया है। भारत की नागरिकता छोड़कर अमीर देशों की नागरिकता ले रहे हैं। आर्थिक सहयोग विकास संस्था की जो 38 देश की रिपोर्ट सामने आई है। उसमें सबसे ज्यादा भारतीय विदेश की नागरिकता ले रहे हैं। वर्ष 2021 में 38 देश में 4, 07, 000 नागरिकों ने अपने-अपने देश छोड़कर इन 38 देशों में नागरिकता ली है। इसमें भारत के 1 लाख 30 हजार नागरिकों ने विदेश में नागरिकता ली है। जो सबसे बड़ी संख्या है।

2003 में भारत छोड कर विदेश में नागरिकता लेने वालों की संख्या 85, 396 थी। इसमें 2021 तक 86 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो आश्चर्यजनक है। भारत छोड़कर विदेश जाने वाले नागरिक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, इत्यादि धनी देशों एवं टैक्स हेवन देश में नागरिकता ले रहे हैं। इनमें से अधिकांश नागरिक करोड़पति, अरबपति हैं। वहां पर काम करने और रोजगार के लिए जाने वालों की संख्या कम है। कारोबारी ही भारत छोड़कर सबसे ज्यादा भारत की नागरिकता छोड़कर विदेश में जा रहे हैं। भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता लेने वालों की संख्या साल दर साल बढ़ती ही जा रही है। सांसद चिदंबरम के एक प्रश्न के जवाब में विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने संसद में बताया, पिछले 3 साल 6 माह में 5, 59, 272 नागरिकों ने भारत की नागरिकता छोड़कर विदेशी नागरिकता ली है। संसद में दी गई, जानकारी के अनुसार 2003 में विदेश की नागरिकता लेने वालों की संख्या 85, 396 थी। 2021 में यह संख्या बढ़कर 1, 63, 070 हो गई। 2022 में 2, 25, 230 भारतीय नागरिक विदेश चले गए। वहीं 2023 के 6 माह में एक लाख से अधिक नागरिकों ने भारत छोड़ दिया है।

भारत छोड़कर विदेश जाने वाले नागरिकों के अनुसार, भारत में जिस किस्म के नियम, कायदे, कानून, आनन फानन में लागू किये जा रहे हैं। बार-बार उन में बदलाव किया जा रहा है। जिस तरह की शासन व्यवस्था है। नियम और कानून जल्दी-जल्दी बदल दिए जाते हैं। जीएसटी कानून में पिछले 6 वर्षों में 1700 से अधिक बार नियम बदले गए हैं। यही स्थिति आयकर की है। जांच एजेंसियों द्वारा भी कारोबारियों को परेशान किया जा रहा है। उससे भारत में कारोबार करना अब आसान नहीं रहा। कानून व्यवस्था की स्थिति भी भारत में दिनों दिन बिगड़ती जा रही है। इसको देखते हुए, कारोबारी बड़ी संख्या में भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता ले रहे हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार द्वारा बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। लेकिन वास्तविक स्थिति अलग नजर आती है। भारत में पिछले तीन वर्षों से 80 करोड लोगों को मुफ्त का राशन दिया जा रहा है। सरकार को सब्सिडी देनी पड़ रही है। जिसे खत्म किया जा चुका था। महंगाई, बेरोजगारी और खराब आर्थिक स्थिति को देखते हुए राज्य सरकारों को रेवड़ी बाँटनी पड़ रही है। बैंकों में एनपीए बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय नागरिकों की आय पहले की तुलना में कम हुई है। नागरिकों के उनके ऊपर कर्ज बड़ी तेजी के साथ बढा है। बड़ी संख्या में कर्ज के कारण लोग आत्महत्या कर रहे हैं। भारत सरकार जो दिखाती है, या जो गोदी मीडिया दिखाता है। ठीक उसके विपरीत वास्तविक स्थिति होने के कारण, करोड़पति अरबपति भारत छोड़कर भाग रहे हैं। भारत में पढ़ाई का स्तर भी दिनों दिन खराब हो रहा है। जिसके कारण अब विदेशों में पढ़ाई के लिए बड़ी संख्या में छात्र कनाडा और ब्रिटेन जा रहे हैं। शिक्षा स्वास्थ्य और विकास को लेकर जो बातें कही जा रहे हैं। धरातल पर स्थिति ठीक इसके विपरीत है। खुदरा व्यापार बड़ी तेजी के साथ भारत में खत्म होता जा रहा है। जिसके कारण शहरी क्षेत्र के साथ-साथ अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगारी तेजी के साथ फैल रही है। यही एक मुख्य कारण है, कि भारत से पलायन करने वालों की संख्या दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है।

अमरूद ही नहीं इसकी पत्तियां भी हैं फायदेमंद

फल कोई भी हो सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। इनमें से एक है अमरूद। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह विटामिन-सी, फाइबर और अन्य कई जरूरी मिनरल्स से भरपूर होता है। हालांकि, कम लोग ही जानते होंगे कि अमरूद के पत्ते भी बहुत फायदेमंद होते हैं। अमरूद के पत्तों में मौजूद ऐंटी-ऑक्सीडेंट, ऐंटी-बैक्टीरियल और ऐंटी-इंफ्लेमेट्री गुण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। त्वचा, बाल और स्वास्थ्य की देखभाल के लिए अमरूद की ताजी पत्तियों का रस या फिर इसकी बनी हुई चाय बहुत ही फायदेमंद होती है। आइए जानते हैं यह किस तरह से फायदेमंद होती है...

डायबीटीज में भी फायदेमंद:- एक स्टडी के मुताबिक, अमरूद की पत्ती से बनी चाय डायबीटीज के मरीजों में प्रभावी रूप से रक्त शर्करा को कम करती है।

डायरिया का इलाज:- अमरूद की पत्तियां डायरिया के इलाज के लिए फायदेमंद होती हैं। इसकी समस्या होने पर 30 ग्राम अमरूद की पत्तियां और एक मुट्ठी चावल के आटे को दो गिलास पानी में मिलाकर उबाल लें। डायरिया के इलाज के लिए इस मिश्रण को दिन में दो बार पिएं।

वजन घटाएं:- अमरूद की पत्तियां स्टार्च को शुगर में बदलने की प्रक्रिया को रोकती हैं। इतना ही नहीं ये वजन घटाने में भी कारगर है।

मानवता की आड में क्रूरता को संरक्षण

हमास और इजरायल के मध्य चल रही जंग में मानवता के नाम पर आतंक को संरक्षण देने के लिए कबायत शुरू हो गई है। विश्व में इस्लाम के नाम पर कट्टरता दिखाने वाले 57 मुस्लिम देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तबज्जोह न मिलने पर संसार के सबसे बडे संगठन की महासभा में गुहार लगाई। जार्डन के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा में 120 देशों ने अपना समर्थन दिया जब कि 14 देशों ने प्रस्ताव के विरोध में मतदान किया। विरोध ा करने वालों में अमेरिका, इजरायल, आस्ट्रिया, क्रोशिया, चेचिया, फिजी, ग्वाटेमाला, हंगरी, मार्शल, आईलैण्ड, माइक्रोनेशिया, नोउरु, पापुआ न्यू गिनी, पराग्वे तथा टोंगा शामिल थे जबकि 45 देशों ने मतदान का बहिस्कार किया। जार्डन ने अपने प्रस्ताव में सीधे हमास का नाम न लेकर गाजा में आम नागरिकों की सुरक्षा और हो रहे इजराइली हमलों में मानवीय कानूनों को तत्काल लागू करने की बात कही ताकि अप्रत्यक्ष में हमास को सुरक्षा दी जा सके। इस प्रस्ताव में हमास के व्दारा इजरायल में निरीह लोगों का किया गया कत्लेआम और बंधकों को दी जाने वाली यातनाओं का जिक्र तक नहीं किया गया। वास्तव में महासभा में इस तरह से पास प्रस्तावों को सलाह के रूप में लिया जाता है जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पारित प्रस्ताव को मानने के लिए सभी सदस्य देश बाध्य होते है। इस प्रस्ताव को लेकर कट्टरपंथी देश काफी उत्साहित नजर आ रहे है कि उसे दुनिया के 120 देशों का समर्थन मिल गया है वहीं इजरायल ने एक वीडियो जारी करके गाजा के अस्पतालों से संचालित होने वाले हमास के आपरेशन को बेनकाब कर दिया है। अस्पतालों के नीचे सुरंग होने के दावे किये जा रहे है। अमानवीय कृत्य करने वाले आतंकी संगठनों के पक्ष में ईरान जैसे देश खुलकर खडे हो जाते है। पूर्व निध ारित योजना के तहत आतंकियों की कब्र खुदती देखकर निर्दोष नागरिकों की आड में षडयंत्रकारी देश चीख-पुकार मचाने लगते है। जबकि मुस्लिम देशों के अन्दर अल्पसंख्यकों, अन्य धर्मावलम्बियों और मानवीय मूल्यों की दुहाई देने वालों को कठोरता, निर्ममता और क्रूरता से रौंदा जा रहा है जिस पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आतंक की दम पर संसार में इस्लाम का एकछत्र राज्य कायम करने की कल्पना में जी रहे कट्टरपंथियों ने अपनी एकता की दम पर मानवता को कुचलने का मनसूबा पाल रखा है। दुनिया के प्रमुख 10 आतंकी संगठनों में इस्लामिक स्टेट, अलकायदा, तालिबान, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, बोको हराम, अल नुस्रा फ्रन्ट, हिजबुल्लाह, हमास, कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी तथा रिवोल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेस आफ कोलंबिया के नाम शामिल है जिसमें पहले 9 संगठन मुस्लिम कट्टरपंथियों के है जबकि अंतिम संगठन मार्क्सवादी-लेनिनवादी आतंकवादी संगठन है। डोमिनिक रैनी की इस्लामिक आतंकवादी हमलों पर आधारित एक रिपोर्ट के अनुसार सन् 1979 से लेकर मई 2021 के बीच संसार में कम से कम 48, 035 इस्लामी आतंकवादी हमले हुए हैं जिनमें कम से कम 2, 10, 138 लोगों की मौत हुई है। इन संगठनों के प्रायोजक बनकर अनेक इस्लामिक देश आतंक को निरंतर बढावा देने में लगे हैं। जीवन जीने का ढंग, आराधना की पध्दति और सामाजिक मूल्यों को आतंक के माध्यम से थोपने वालों ने हमेशा से ही क्रूरता का सहारा लिया है। अतीत कुरेदने पर स्पष्ट होता है कि भारत पर हुए आक्रान्ताओं के हमलों के पीछे फटेहाल देशों से आने वाले व्यापारियों का सबसे बडा हाथ रहा है। रियासतकाल में व्यापार के नाम पर अनजानी वस्तुओं के आदान-प्रदान की कुटिल चालें समय के साथ सीधे, सरल और मानवतावादी राज्यों में फैलती रहीं। इन्हीं आगन्तुक व्यापारियों ने वापिस जाकर अपने कबीले के क्रूर साथियों को सम्पन्न रियासतों की पूरी जानकारी देकर आक्रमण के लिए प्रेरित किया था। आंकडे बताते है कि जिन राज्यों में सनातन से इतर व्यापारियों ने आमद दर्ज की, वहीं पर कुछ समय बाद आक्रान्ताओं, लुटेरों और उन्मादियों ने हमले कर दिये। अहिंसा का पाठ पढाने वाले जिन सनातनियों ने कभी धोखे से चींटी भी मार दी तो उसका प्राश्चित भी किया हो, उनके सामने क्रूरता, कठोरता और हत्या करने वालों का आतंक कहर बनकर फूटता रहा। आक्रान्ताओं की फौज को लूट, बलात्कार और मनमानियां करने की खुली छूट थी।

भगवान विष्णु ने दिखाई ऐसी माया, चांडाल बन गया राजा

गुरु वशिष्ठ, श्रीराम को गाधी ब्राह्मण की कथा सुनाते हैं कि गाधी के मन में माया को जानने की इच्छा हुई, इसलिए वो विष्णु की उपासना करने लगा। भगवान प्रसन्न हुए और तथास्तु कहा। कुछ दिनों बाद गाधी ने गंगा स्नान करते हुए जैसे डुबकी लगाई, तभी अनुभव हुआ कि उसकी मृत्यु हो जाती है

और वह चांडाल के घर में जन्मता है। जवान होने पर उसकी शादी हो जाती है, बच्चे हो जाते हैं। एक बार उस देश में अकाल पड़ता है, जिससे उसके बच्चे और स्त्री मर जाती है और वह दुखी होकर देश छोड़ देता है।

रास्ते में हाथी उसको सूंड में उठाकर अपने ऊपर बिठाता है। वह हाथी उस देश के राजा का था, जो कुछ दिन पहले मर गया था। राजा के संतान न होने के कारण प्रथा अनुसार हाथी को छोड़ा था कि वह जिसको ऊपर बिठायेगा वह राजा बनेगा। अब चांडाल राजा बन गया और पहले राजा के सभी भोग, स्त्री, धन इसके हो गए। आठ साल बीतने के बाद एक दिन राजा के पुराने चांडाल मित्र राज्य पहुंचे, राजा ने मित्रों को पहचान लिया। सब मित्र जब राजा से गले मिलने लगे, तब देशवासियों ने पहचान लिया कि राजा चांडाल है। बात राज्य में फैल गई। रानियों और संबंधियों को पता चला, तो उन्होंने चिताएं बनाकर जीते जी आग में अपने को जला दिया। राजा को भी विरक्ति आई और उसने भी अपने को आग में डाला जैसे ही गर्मी लगी तभी गाधी ने पानी से अपना सिर बाहर निकाला।

विचार किया कि एक डुबकी लगाने में जितना समय लगा, उतने समय में इतना सब कैसे बीता? कुछ दिनों बाद गाधी के घर एक अतिथि आया। उसने बताया यहां से कुछ दूर एक देश में रानियों और अनेक पुरुष जीते जी इसलिए जल गए, क्योंकि वो अनजाने में आठ साल से चांडाल जाति के राजा के साथ रहे। राजा ने भी आग में कूदकर जान दे दी। इतना सुनते ही गाधी को आश्चर्य हुआ। वह उस यात्री को लेकर उसी देश गया, गाधी ने सब कुछ पहचान लिया। अब गाधी समझ गया कि यह सब माया है, जो भगवान ने उसे दिखाई। माया बड़ी विचित्र होती है इसका मर्म समझना बड़ा मुश्किल है। इसलिए माया को नहीं बल्कि मायापति को ही पकड़ लो।

जब आएं शनिदेव स्वप्न में!

शनि अगर सपने में गिद्ध पर सवार हुए दिखाए दें तो यह बड़ा ही अपशकुन माना जाता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार गिद्ध पर शनि का दिखना शोक देता है। इस स्थिति में शनि शांति के उपाय करने चाहिए। शनि देव का कौए पर सवार होकर दिखना सुख शांति छीन लेता है। ज्योतिषशास्त्र में बताया गया है कि शनि अगर कौए पर सवार दिखे तो परिवार एवं समाज में वाद-विवाद होता है। व्यक्ति को अपमान का सामना करना पड़ता है। शनि देव अगर सपने में हाथी पर सवार होकर दिख जाएं तो यह बड़ा ही शुभ शगुन है। साढ़ेसाती के दौरान शनि अगर हाथी पर सवार होकर आपकी कुंडली में असर डालते हैं तो इससे बड़ा सौभाग्य हो ही नहीं सकता है। शनि चालीसा में बताया गया है कि शनि जब हाथी पर आते हैं तो अपने साथ लक्ष्मी भी लाते हैं यानी व्यक्ति को अचानक ही धन लाभ होते रहते हैं। शनि

एक वाहन मोर भी बताया गया है। कहते हैं जब शनि महाराज किसी व्यक्ति को मोर पर सवार दिख जाते हैं तो उसे कोई शुभ फल मिलने वाला होता है। साढ़ेसाती के दौरान शनि मोर पर सवार होकर आपकी राशि पर असर डालते हैं तो हर तरफ से शुभ समाचार और खुशियां मिलती रहती है। शनि महाराज यमराज के भाई हैं यमराज की तरह इनका भी एक वाहन भैंस है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शनि का भैंस पर सवार दिखना यह संकेत है कि आपको मिले जुले परिणाम मिलने वाले हैं यानी खुशी और गम का मिला जुला असर रहेगा आपके जीवन में। शनि महाराज एक वाहन है घोड़ा। माना जाता है कि जिन्हें शनि महाराज सपने में घोड़े पर सवार दिख जाते हैं उसे सुख-संपत्ति से निहाल कर देते हैं। शनि चलीसा में कहा भी गया है हय ते सुख संपत्ति उपजावै।

परमात्मा बोले, मेरे पास पहुंचने का यही है तरीका

जो परिश्रमी है तथा निष्ठा, भक्ति और समर्पण के साथ आध्यात्मिक साधना करते हैं, वे ही परमात्मा को पा सकते है। दुर्बल व कायर को परमात्मा लभ्य नहीं हैं। अगर इनकी साधना कष्टमय हो तो भी बात नहीं बनती। यह जो मैंने कहा है, जो परिश्रमी हैं यानी जो साधना करते हैं-इन्हीं की आत्मा ब्रह्मलोक में प्रवेश करती है। यही है साधना का नियम, यही है रास्ता। अब माया से बचने का उपाय क्या है? जो मुझको अपने जीवन का ध्रुवतारा बना लेता है उस माया का अतिक्रमण करना सिर्फ उसी के लिए संभव है। अर्थात अपनी विद्या से, अपनी बुध्दि से तुम माया का अतिक्रमण नहीं कर सकोगे। मेरी शरण में आ जाओ, मैं तुम्हें बचाऊंगा। यह कहते हैं कौन? कृष्ण। कृष्ण कौन हैं? पुरुषोत्तम। इसी तरह से लोग परमात्मा के पास पहुंचेंगे। असल में, इसका युध्दकौशल परमात्मा को ही मालूम है। मायाजाल जो विस्तारित हुआ है वह किस तरह का मायाजाल है, यह परमात्मा को ही ठीक से मालूम है। और किसी को नहीं। मायाधीन को तो बिल्कुल मालूम नहीं है। वीरों को भी यह मालूम नहीं है। परमात्मा को ही मालूम है क्योंकि माया उन्हीं की दासी है। तो इसीलिए ब्रह्मैव गुरुरेकः ना परः । आने का, चलने का, आगे बढ़ने का तरीका है-वह सिर्फ परमात्मा को ही मालूम है। इसलिए परमात्मा ही गुरु हैं। परमात्मा विभिन्न आधारों के माध्यम से अनादि काल से लोक शिक्षा दे रहे हैं कि देखो बेटा, मेरे पास पहुंचने का यही तरीका है। मामेव ये प्रपद्यन्ते मायामेतां तरन्ति ते- जो मेरी शरण लेते हैं माया से त्राण पाना सिर्फ उन्हीं के लिए संभव है, और किसी के लिए नहीं। यह जो माया है वह जीव और शिव के बीच व्यवधान है। मनुष्य का लक्ष्य अगर परमात्मा है तो वह इधर-उधर नहीं हटेगा। वह सीधा चलेगा और चलते वक्त माया की तरफ से जब बाधाएं आएंगी तब परमात्मा की तरफ ताकने से शक्ति आ जाएगी। उसी शक्ति से वह माया के खिलाफ लड़ेगा और माया की हार हो जाएगी। किंतु परमात्मा की ओर जो नहीं ताकते हैं, वे माया के विरुध्द लड़ाई नहीं कर सकेंगे। लड़ाई करते-करते एक दिन थक जाएंगे। उनकी हार हो जाएगी, माया की जय होगी। इसीलिए जो बुध्दिमान व्यक्ति है, वह परमात्मा को अपना ध्येय बना लेगा। हो सकता है कल तक वह पापी हो, लेकिन ध्येय बनाने से उनका आधा पाप तो उसी वक्त खत्म हो गया। उसके बाद साधना करते-करते अल्प काल के भीतर वे पापमुक्त हो जाएंगे। हो सकता है वह अतिपापी हो, पापी से पापी, महापातकी हो फिर भी वह यदि परमात्मा की शरण ले लेता है तो समझो विमुक्त हो गया। इसीलिए सौ बातों की एक बात हमेशा याद रखो। मैं हमेशा यही कहता हूं और एक बार फिर यही कह रहा हूं कि तुममें विद्या हो चाहे न हो, बुध्दि हो चाहे न हो-बस इतना याद रखो कि परमात्मा तुम्हारे जीवन का ध्रुवतारा हैं। परमात्मा की ओर ताकते रहो और हाथों से लड़ाई करते रहो। तुम्हें ताकत वहीं से मिलेगी। तुम्हारी सारी बाधाएं वे दूर करेंगे। तुम्हारी अग्रगति अवश्य होगी, तुम्हारी जय अवश्य होगी। और जय जब होगी याद रखोगे, जिनकी कृपा से जय हुई, यह विश्व ब्रह्माण्ड उन्हीं का है। जीव निमित्त मात्र है, सब कुछ उन्हीं का है।

वास्तु दोष से भी बचाता है तुलसी का पौधा बहुत ही काम का है यह पौधा

यदि घर में कलह का वातावरण देखने मिले तो समझ लीजिए वास्तु दोष है। इसके अन्य कारण भी हो सकते हैं, किंतु यदि घर की बनावट व्यवस्थित नहीं है तो आमतौर पर वास्तु ही इसका एक प्रमुख कारण माना जाता है। ऐसे में कई तरह के उपाय

बताए जाते हैं, लेकिन यह अनेक बार कठिन होने के साथ ही ऐसे भी होते हैं जो साधारण मनुष्य के लिए कर पाना संभव नहीं होता। इन परिस्थितियों में साधारण दिखने वाला तुलसी का पौधा आपकी अनेक मुश्किलों का समाधान कर सकता है। अनेक दिनों से चली आ रही घर की कलह से भी आप शांति प्राप्त कर सकते हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसे ही उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं।

-तुलसी का पौधा घर में होने से पवित्रता का संचार होता है। परिवार में सुख शांति व समृद्धि बनी रहती है।

-कहा जाता है कि तुलसी का पौधा रखने से कहीं भी भूत-प्रेत व अनावश्यक शक्तियां घर पर नहीं आतीं। जिससे घर पर कलह का वास नहीं होता और समृद्धि आती है।

-शरद पूर्णिमा से तुलसी के पौधे के नीचे दीपक जलाने की परंपरा है, जिसका सीधा अर्थ भी वास्तु से जुड़ा है, माना जाता है कि ऐसा करने से देवों का आगमन घर पर होता है और उनके आशीर्वाद से धन का आवागमन घर पर लगा रहता है।

-कहा जाता है कि तुलसी के पत्ते में साक्षात् भगवान विष्णु का वास होता है। यदि तुलसी का पूजन प्रतिदिन विधि-विधान से किया जाए तो श्रीहरि की कृपा स्वतः ही प्राप्त हो जाती है। इसलिए भी तुलसी की परिक्रमा करना उपर्युक्त बताया गया है।

-तुलसी के पौधे को यदि घर के आंगन के बीच में लगाया जाए तो शुद्ध वायु के साथ ही वास्तु दोष का भी समापन हो जाता है। यदि घर के तीन कोने हैं और चतुर्थ कोने में दोष है तो तुलसी के पौधे की सकारात्मकता से उसका भी नाश होता है।

-तुलसी पत्र में दैविय ही नहीं वैज्ञानिक शक्तियां भी होना बताया गया है। यदि तुलसी के पौधे का प्रतिदिन जिव्हा में रखकर सेवन किया जाए तो स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त भी सर्दी, खांसी सहित विभिन्न बीमारियों के लिए भी तुलसी पत्र उपयोगी बताया गया है।

-पुराणों में तुलसी पूर्णतः पवित्र एवं दोष रहित बतायी गई है जिसकी वजह से ग्रहणकाल में भी तुलसी पत्र का उपयोग करने से घर में शुद्धता बनी रहती है।

-तुलसी के पौधे की नियमित पूजा करना आवश्यक है। यदि इसका निरादर किया जाए तो यह पौधा सूख जाता है और परिस्थितियां पूर्व से भी ज्यादा कष्टदायी हो सकती हैं।

आलोकित जीवन प्रार्थना से

प्रार्थना और उपासना आत्मा के लिए आवश्यक आहार है। हमारे महर्षियों, महात्माओं का मानना है कि सच्ची प्रार्थना वह है जब हम अपने इष्टदेव के आगे सहज, सरल और अपने आप से निकले हुए उद्गार प्रकट करते हैं। प्रार्थी अपनी सीधी-सादी भाषा में अपने हृदय के उद्गार प्रकट करता है। ईश्वर भक्त अपनी प्रार्थना के द्वारा भगवान से अपना सम्बन्ध जोड़कर उससे बातें करने लगता है और अपने मन की बात को सीधा परमात्मा से प्रकट करता है। हम दुख में ईश्वर को याद करते हैं परन्तु यदि हम सब परिस्थितियों में अर्थात दुरूख और सुख में भी स्मरण करें तो शायद दुरूख की स्थिति आए ही नहीं। प्रार्थना का कोई विशेष अवसर, स्थान या समय निश्चित नहीं है। सुबह से रात तक, जीवन के प्रत्येक अवसर, स्थान और काल में प्रभु से प्रार्थना या बातचीत बन्द नहीं होती। आज के वैज्ञानिक भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि जब शरीर के साथ यह मन और आत्मा भी निरोग होने का प्रयास करता है तो हमारे शरीर पर अद्भुत और शीघ्र असर पड़ता है। जीवन का प्रत्येक क्षण प्रार्थनामय हो तो सुख दूर जा ही नहीं सकता। ईश्वर से प्रार्थना करने में मन की सच्चाई हो तो हमें सारे शत्रु भी अपने दिखाई देने लगते हैं। सब लोग बन्धु और मित्र समान हो जाते हैं। प्रार्थना से उपजी उदार भावना विश्व मैत्री की भावना बन जाती है। ऐसा माना जाता है कि रामकृष्ण परमहंस एकाग्र मन से प्रार्थना कर भावविभोर हो जाते थे। यह अलौकिक अवस्था है जब भक्त को दूसरों में गुण तथा अपने आप में दोष दिखाई देने लगते हैं। प्रार्थना में वह शक्ति है कि हमारे दोष की वृत्ति को बदल देती है। प्रार्थी को अपने गुण, कर्म और दोष अधिक अनुभव होने लगते हैं, जिससे अभिमान नहीं होता। रूप, ऐश्वर्य, सन्तान, पद-प्रतिष्ठा, सुख, विद्या सब उस ईश्वर के दिए हुए हैं। जब हम त्यागभाव से इनका उपयोग करते हैं तो अभिमान भी नहीं होता क्योंकि हमारे भाव सात्विक हो जाते हैं। हम

कितने ही गुणी क्यों न हों किन्तु मन में अभिमान के पैदा होते ही हमारे सभी गुण ढक जाते हैं। प्रार्थना का एक और लाभ हैकृपरमात्मा की प्रसन्नता और कृपा। जो कुछ है वह ईश्वर का है और उसी को समर्पित है। गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि वह जो कुछ करता है, खाता है, होम-हवन करता है, दान देता है, तप करता है, वह सब कुछ ईश्वर को समर्पित कर दे। जब प्रभु की प्रसन्नता मिल गई, तब फिर प्राप्त करने के लिए रह ही क्या जाता है? बहुत से संतों और भक्तों ने जीवन में प्रार्थना से ईश्वर प्राप्ति की थी। सच्चे हृदय और मन से की गई प्रार्थना उच्चकोटि की होती है। प्रार्थना सगुण या निर्गुण हो सकती है। सगुण प्रार्थना में ईश्वर से शुभ गुणों के ग्रहण की इच्छा प्रकट करते हैं और निर्गुण प्रार्थना में अपने दोष छुड़ाने के लिए परमात्मा से सहारा मांगते हैं। प्रार्थना जब एकान्तभाव और भावपूर्ण हृदय से की जाती है तो सफलता मिलती है। ईश्वर किसी गुप्त या दूरस्थ आकाश में नहीं रहता। हमारा शरीर ही ईश्वर का मन्दिर है। मन की बात तो केवल ईश्वर ही सुनता है, कोई दूसरा नहीं। श्रेष्ठ पुरुष बताते हैं कि भक्त इच्छुक, निरूस्वार्थ और विनम्र होना चाहिए। यदि प्रार्थना हृदय से निकली हो तो उसका प्रभाव भी आश्चर्यजनक होता है। बाबर का पुत्र हुमायूं इतना बीमार पड़ गया कि बड़े-बड़े वैद्य और हकीमों ने बादशाह को कह दिया कि अब दवा नहीं दुआ ही सफल हो सकती है। तब बाबर ने उसके चारों ओर चक्कर लगाकर और भाव भरे दिल से खुदा से कहा-या खुदा, पुत्र हुमायूं को ठीक कर दो, चाहे इसके बदले मेरे प्राण ले लो। भावपूर्ण हृदय और सच्चे मन से निकली हुई दुआ से हुमायूं धीरे-धीरे ठीक हो गया और बाबर अस्वस्थ हो गया। यह भावपूर्ण प्रार्थना का प्रभाव था। इसमें मन, बुद्धि, चित्त सब एक हो जाते हैं।

अल्सर से कैसा डर!

हमारा पेट नाजुक टिश्यू से बना है। थोड़ी-सी गड़बड़ी सेहत से जुड़ी कई समस्याएं खड़ी कर देती है। पेट में दर्द, जलन व सूजन का एहसास, सीने में जलन व उल्टी की शिकायत-सुनने में भले ही अजीब लगे, पर ऐसा ही होता है, जब पेट में अल्सर की शिकायत होती है। खुद को इसका शिकार बनने से कैसे रोक सकते हैं, बता रहे हैं हम...

जीवनशैली और खान-पान में बदलाव का नतीजा है कि किशोर और युवाओं में पेट के अल्सर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सामान्य भाषा में कहें तो पेट में छाले व घाव हो जाने को अल्सर कहा जाता है। सोने का नियत समय न होना, ऑफिस में बेहतर प्रदर्शन का तनाव, जंक फूड का बढ़ता चलन और अधिक डाइटिंग से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। उस पर धूम्रपान, एल्कोहल और तंबाकू का सेवन पेट की परत को नुकसान पहुंचाने का कारण बन जाता है।

क्या है पेप्टिक अल्सरः- पेट में घाव या छाले होने को चिकित्सकीय भाषा में पेप्टिक अल्सर कहते हैं। पेट में म्युकस की एक चिकनी परत होती है, जो पेट की भीतरी परत को पेप्सिन और हाइड्रोक्लोरिक एसिड से बचाती है। इस एसिड की खासियत यह है कि जहां यह एसिड पाचन प्रक्रिया के लिए जरूरी होता है, वहीं शरीर के ऊतकों को नुकसान भी पहुंचाता है।

इस एसिड और म्युकस परतों के बीच तालमेल होता है। इस संतुलन के बिगड़ने पर ही अल्सर होता है। आमतौर पर यह आहार नली, पेट और छोटी आंत के ऊपरी भाग की भीतरी झिल्ली में होता है।

गैस्ट्रिक अल्सरः यह पेट के अंदर विकसित होता है।

इसोफैगियल अल्सरः यह भोजन नली (इसोफैगस) में होता है, जो भोजन को गले से पेट में ले जाती है। यह अल्सर कम देखने में आता है।

ड्योडेनल अल्सरः यह छोटी आंत के ऊपरी भाग में होता है, जिसे ड्योडनम कहते हैं। इसके मामले अधिक सामने

आते हैं।

मानसून में रखें खास एहतियातः- पेप्टिक अल्सर का सबसे प्रमुख कारण एच. पायरोली बैक्टीरिया है, जिसका संक्रमण मल और गंदे पानी से फैलता है। बरसात के मौसम में गंदगी की समस्या दूसरे मौसमों के मुकाबले अधिक होती है। शारीरिक सक्रियता कम होने और रोग प्रतिरोधक तंत्र में होने वाले बदलाव भी इसके कारण बन सकते हैं। अधिक तला-भुना, मसालेदार भोजन और चाय-कॉफी लेना पेट में एसिड के स्तर को प्रभावित करता है। इसके संक्रमण से बचने का सबसे आसान और सस्ता तरीका साफ-सफाई का खास ध्यान रखना है।

लक्षणः- पेट में दर्द होना इसका प्रमुख लक्षण है। खाली पेट होने पर यह दर्द और तेज हो जाता है। पेट का एसिड अल्सरग्रस्त कोशिकाओं पर असर डालने लगता है। रात के समय पेट में जलन बढ़ जाती है। कुछ मामलों में खून की उल्टी होना, मल का रंग गहरा हो जाना, जी मिचलाना, भार में तेजी से कमी आना या भूख प्रक्रिया में बदलाव आने जैसे लक्षण भी देखने को मिलते हैं।

ये देते है अल्सर को बुलावाः-

-हेलिकोबैक्टर पायरोली बैक्टीरिया का संक्रमण।

-तनाव व डायबिटीज।

-आनुवंशिक कारण।

-अत्यधिक मात्रा में पेट में एसिड का स्राव।

-तैलीय और मसालेदार भोजन अधिक खाना।

-अधिक मात्रा में शराब, कैफीन और तंबाकू का सेवन।

-ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार के लिये ली जाने वाली दवाएं। लंबे समय तक ज्यादा मात्रा में दर्द निवारक दवाओं, एस्प्रिन और ज्वलनरोधक दवाओं का सेवन करना।

समय रहते उपचार है जरूरीः- पेप्टिक अल्सर के कारण एनीमिया, अत्यधिक रक्तस्राव और लंबे समय तक बने रहने पर स्टमक कैंसर की आशंका बढ़ जाती है। आंतरिक रक्तस्राव होने के कारण शरीर में खून की कमी हो जाती है। पेट या छोटी आंत की दीवार में छेद हो जाते हैं, जिससे आंतों में गंभीर संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। पेप्टिक अल्सर पेट के ऊतकों को भी क्षतिग्रस्त कर सकता है, जो पाचन मार्ग में भोजन के प्रवाह में बाधा पहुंचाता है। इस कारण पेट जल्दी भर जाना, उल्टी होना और वजन कम होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

दवा से मिलता है आरामः- पेप्टिक अल्सर का उपचार आसान है। कई मामलों में एंटीबायोटिक दवाएं, एंटा एसिड व दूसरी दवाओं से ही आराम आ जाता है।

लाहिरू कुमारा विश्व कप से बाहर, चमीरा श्रीलंका की टीम में शामिल

पुणे। श्रीलंका को अफगानिस्तान के खिलाफ सोमवार को होने वाले मैच से पहले बड़ा झटका लगा जब तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा बायीं जांघ की मांसपेशियों में चोट के कारण रविवार को विश्व कप के बाकी मैचों से बाहर हो गये। कुमारा अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तकनीकी समिति ने उनके स्थान पर दुशमंत चमीरा को श्रीलंका की टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। कुमारा ने श्रीलंका की इंग्लैंड के खिलाफ 8 विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 35 रन देकर तीन विकेट लिए थे। चमीरा को विश्व कप के लिए श्रीलंका की शुरुआती टीम में जगह नहीं दी गई थी क्योंकि वह लंका प्रीमियर लीग के दौरान चोटिल हो गए थे। बाद में हालांकि चमीरा और एंजेलो मैथ्यूज को ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर श्रीलंका की टीम में शामिल किया गया था। मैथ्यूज को पहले ही चोटिल तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की जगह टीम में शामिल कर दिया गया था।

करो या मरो मैच में अफगानिस्तान से सतर्क रहना होगा श्रीलंका को

पुणे। लगातार दो जीत से उत्साहित श्रीलंका को वनडे विश्व कप में अपनी उम्मीदें जीवंत रखने के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा। श्रीलंका और अफगानिस्तान ने अभी तक पांच मैच में दो-दो जीत दर्ज किए हैं और वह सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। इसके लिए हालांकि उन्हें अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने होंगे और अन्य मैच के परिणाम अपने अनुकूल रहने के लिए भी दुआ करनी होगी। इस मैच में हालांकि एक टीम को ही जीत मिलेगी और ऐसे में दूसरी टीम की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी। श्रीलंका ने पहले तीन मैच में पराजय झेलने के बाद अगले दो मैच में जीत दर्ज करके अपनी उम्मीद जगाई है लेकिन वह अगर अफगानिस्तान को कम करके आंकते हैं तो यह उनकी बहुत बड़ी भूल होगी। अफगानिस्तान ने इंग्लैंड और पाकिस्तान को हराकर अपनी क्षमता का अच्छा परिचय दिया है और वह अब श्रीलंका के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगा। श्रीलंका को इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में लाहिरू कुमारा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और मजबूत क्षेत्ररक्षण के कारण जीत मिली। अनुभवी ऑल राउंडर एंजेलो मैथ्यूज के जुड़ने से टीम को मजबूती मिली है। श्रीलंका को हालांकि अफगानिस्तान के खिलाफ मैच से पहले करारा झटका लगा है क्योंकि कुमारा चोटिल होने के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह दुशमंत चमीरा को टीम में शामिल किया गया है। कुमारा के बाहर होने से अन्य गेंदबाजों की जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। दिलशान मदुशंका और कुसान राजिथा ने प्रतियोगिता में अब तक 11 और 7 विकेट लिए हैं और श्रीलंका को अगर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखना है तो उन्हें और स्पिनर महेश तीक्षणा को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। बल्लेबाजी में पथुम निसांका और सदीरा समरविक्रमा इस साल अपने दो सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाजों के रूप में उभरे हैं। टीम को इन दोनों के अलावा कप्तान कुसल मेंडिस से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। जहां तक अफगानिस्तान की बात है तो उसकी तरफ से अभी तक रहमनुल्लाह गुरबाज ने सर्वाधिक 224 रन बनाए हैं लेकिन इब्राहिम जादरान, हशमतुल्लाह शाहिदी, रहमत शाह ने भी पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है और वे श्रीलंका के खिलाफ आत्मविश्वास बनाए रखना चाहेंगे। गेंदबाजी में अफगानिस्तान का दारोमदार तेज गेंदबाज नवीन उल हक तथा राशिद खान, मोहम्मद नबी और मुजीब उर रहमान की स्पिन तिकड़ी पर टिका रहेगा।

टीम इस प्रकार हैं: श्रीलंका: कुसल मेंडिस (कप्तान), कुसल परेरा, पथुम निसांका, दुशमंत चमीरा, दिमुथ करुणारत्ने, सदीरा समरविक्रमा, चौरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, महेश तीक्षणा, डुनिथ वेलालेज, कासुन राजिथा, एंजेलो मैथ्यूज, दिलशान मदुशंका, दुशान हेमंथा, चमिका करुणारत्ने.

अफगानिस्तान: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्ला उमरजई, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी , अब्दुल रहमान और नवीन उल हक।

जय प्रकाश ने की शानदार बल्लेबाजी, सीएसडी सहारा ने जीता मैच

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डीविजन में सीएसडी सहारा क्रिकेट एकेडमी ने चंदन इलेवन को छह विकेट से हरा दिया। इस मैच में जय प्रकाश गुप्ता ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए ग्यारह चौका और एक छक्का की मदद से 69 बाल पर 80 रन बनाये। चंदन इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 130 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज विशाल लाम्बा ने 16 रन का योगदान दिया। वहीं गौरव खन्ना ने सर्वाधिक 28 रन बनाये, जबकि वैभव मात्र चार रन पर आउट हो गये। सौरभ सिंह शून्य पर ही पवेलियन वापस लौट गये। वहीं अर्चित पांडेय ने 21 रन का योगदान दिया। सहारा की टीम ने मात्र चार विकेट खोकर 134 रन बना लिये और मैच को छह विकेट से जीत लिया। सहारा के बल्लेबाजी की शुरूआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज करन शुक्ला मात्र छह रन बनाकर आउट हो गये, जबकि दूसरे क्रम के बल्लेबाज अंकित दो रन बनाकर ही पवेलियन लौट गये। टीम के कप्तान जय प्रकाश गुप्ता ने शानदार पारी खेलते हुए 80 रन बनाये। वहीं आशुतोष ने 40 रन का योगदान दिया।

कोहली बना सकते है एकदिवसीय क्रिकेट में शतकों का अर्धशतक

लखनऊ। मौजूदा आईसीसी विश्वकप में भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की फार्म को देखते हुए ऐसे कयास लगाये जा रहे कि वह इस एकदिवसीय चौम्पियनशिप में शतकों का अर्धशतक पूरा कर सकते है।विराट अगर आज के मुकाबले में शतक लगाते है तो वह सचिन तेंदुलकर के 49 एकदिवसीय शतकों के महान रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे और 50 एकदिवसीय शतकों के अभूतपूर्व मील के पत्थर से एक कदम दूर रह जायेंगे। विराट ने इस चौम्पियनशिप के पांच मुकाबलों में 354 रन बनाये है जिनमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल है। क्रिकेट प्रशंसकों को विरोट कोहली के ऐतिहासिक 50वें एकदिवसीय शतक की इस अद्वितीय उपलब्धि का बेसब्री से इंतजार हैं। विराट कोहली अगर इंग्लैंड के खिलाफ शतक बनाते हैं, तो यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका 79वां शतक होगा। इस चौम्पियनशिप में भारतीय टीम के चार लीग चरण मुकाबले खेले जाने शेष हैं, जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल होगा, विराट के लिए क्रिकेट इतिहास रचने के लिए शानदार मौका है।

नीदरलैंड्स ने बांग्लादेश को 87 रन से हराया

कोलकाता। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (68) के अर्धशतक के अलावा वेस्ली बरेसी (41) और साइब्रैंड एंगलब्रेख्त (35) की जुझारू पारियों के बाद पाल वैन मीकरेन (23 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत नीदरलैंड्स ने शनिवार को आईसीसी विश्व

कप मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ 87 रन से बड़ी जीत दर्ज की। नीदरलैंड्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 229 रन बनाए जिसके जवाब में बांग्लादेश के शेर 42.2 ओवर के खेल में 142 रन पर ढेर हो गये। नीदरलैंड्स की मौजूदा विश्व कप मे यह दूसरी जीत है। इससे पहले उसने बड़ा उलटफेर करते हुये दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आसान जीत दर्ज की थी। नीदरलैंड्स की जीत के नायक कप्तान स्कॉट एडवर्डस और वैन मीकरेन रहे। एडवर्डस ने अपने एक दिवसीय करियर का 15वां अर्धशतक उस समय बनाया जब टीम को उसकी अत्यधिक आवश्यकता थी। उन्होने इसके साथ हमवतन टेन डेशकाटे के 14 अर्धशतकों के रिकार्ड को तोड़ दिया। वैन मीकरेन को उम्दा गेंदबाजी के लिये प्लेयर आफ द मैच चुना गया। नीदरलैंड्स के गेंदबाजी आक्रमण के सामने बांग्लादेशी असहज नजर आये। मेहदी हसन मिराज (35) टीम के टॉप स्कोरर रहे। मध्यक्रम के फ्लाप होने के बाद पुछल्ले बल्लेबाजों ने कुछ संघर्ष कर जीत हार के अंतर को कम करने की कोशिश की। इससे पहले टर्न और बाउंस से भरपूर ईडन गार्डन की पिच पर बांग्लादेश के गेंदबाजों ने नीदरलैंड्स की सलामी जोड़ी को महज चार रन में पवेलियन वापस पहुंचा कर मुश्किल में डाल दिया था मगर बरेसी और कॉलिन ऐकरमैन (15) ने 59 रन की साझीदारी कर स्कोरबोर्ड को सहजता से आगे बढ़ाया मगर 14वें ओवर में मुस्तफिजुर ने बरेसी को आउट किया जबकि अगले ही ओवर में एकरमैन अनुभवी शाकिब अल हसन की बाहर जाती गेंद को खेलने के प्रयास में लपके गए। बरेसी के आउट होने के बाद क्रीज पर आये एडवर्डस ने बास डलिडे (17) और साइब्रैंड एंगलब्रेख्त (35) के साथ संक्षिप्त मगर महत्वपूर्ण साझेदारी की और टीम के स्कोर को तीन अंकों तक पहुंचा। एडवर्ड ने 122 मिनट क्रीज पर बिताये और अर्धशतकीय पारी के दौरान सात चौके लगाये। बांग्लादेश की ओर से मुस्तफिजुर रहमान,तस्कीन अहमद,शोरिफुल इस्लाम और महेदी हसन ने दो दो विकेट आपस में बांट लिये जबकि शाकिब के हाथ एक विकेट लगा।

शाकिब ने माना विश्व कप में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन

कोलकाता। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने नीदरलैंड के हाथों 87 रन की हार के बाद स्वीकार किया कि यह विश्व कप में उनका अभी तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। बांग्लादेश के सामने 230 रन का अपेक्षाकृत छोटा लक्ष्य था लेकिन उसकी टीम 42.2 ओवर में 142 रन पर आउट हो गई जो उसकी लगातार पांचवीं हार है। इससे वह सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो गया है। शाकिब ने शनिवार को मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''आप निश्चित तौर पर ऐसा कह सकते हो (कि यह बांग्लादेश का विश्व कप में सबसे खराब प्रदर्शन है।) मैं इसे असहमत नहीं हूं। मेरे पास इसका जवाब नहीं है कि हमने इस तरह का प्रदर्शन क्यों किया। हमारा क्षेत्ररक्षण खराब था और पूरे टूर्नामेंट में हम वैसी बल्लेबाजी नहीं कर पाए जैसे हमें करनी चाहिए थी।'' उन्होंने कहा,''यह बड़ी चिंता का विषय है। आज एक और दिन था जब हमने नीदरलैंड को दो अंक इनाम में दिए। इस हार को पचा पाना बहुत मुश्किल है।'' शाकिब को बांग्लादेश के पत्रकारों से लगातार सवालों का सामना करना पड़ा और उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी टीम पूरी तरह से तैयार नहीं थी और पूर्व कप्तान तमीम इकबाल से जुड़े विवाद के कारण टीम पर प्रभाव पड़ा। शाकिब से जब पूछा गया कि क्या तमीम को बाहर करने से टीम पर प्रभाव पड़ा, उन्होंने कहा,''ऐसा हो सकता है। यह असामान्य नहीं है। मैं नहीं जानता कि प्रत्येक के दिल में क्या बात है। मैं आपसे असहमत नहीं हूं। यह एक प्रभाव हो सकता है।'' तीनों प्रारूप में शतक लगाने वाले बांग्लादेश के एकमात्र बल्लेबाज तमीम ने जुलाई में संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। उन्होंने देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के आग्रह के बाद अपना फैसला बदल दिया था। इस 34 वर्षीय बल्लेबाज ने विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के पहले दो मैच खेले थे लेकिन उन्होंने अंतिम मैच से विश्राम ले लिया था। तमीम को इसके बाद विश्व कप की टीम में नहीं चुना गया और तब उनके मतभेद खुलकर सामने आ गए जब शाकिब ने एक साक्षात्कार में उनकी फिटनेस की आलोचना की थी। शाकिब ने कहा,''यह स्वाभाविक है कि कप्तान और कोच के बदल जाने पर रणनीति बदल जाती है। इस रणनीति को बनाए रखना मुश्किल होता है। यह अच्छी और बुरी रणनीति हो सकती है। प्रत्येक की अपनी सोच होती है। हम नहीं जानते है कि क्या बुरा है और क्या गलत।'' उन्होंने कहा,,''हम पूरी तरह से तैयार नहीं थे। लेकिन अब इस तरह के बहानों से मदद नहीं मिलेगी लेकिन निश्चित तौर पर हमारी तैयारी अच्छी नहीं थी।''

झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023: भारत और जापान की लगातार दूसरी जीत, चीन ने भी खोला अपना खाता

रांची। भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को झारखंड महिला एशियन चौंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली। मेजबान भारत ने पहले मैच में थाईलैंड को 7-1 से रौंदने के बाद अपने दूसरे मैच में मलेशिया को भी 5-0 से शिकस्त दे दी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने मुकाबले में शानदार शुरुआत की और वंदना कटारिया द्वारा सातवें और फिर 21वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए दो गोल की मदद से 2-0 की बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने फिर 28वें मिनट में संगीता कुमारी के मैदानी गोल के दम पर अपनी बढ़त को 3-0 तक पहुंचा दिया। मेजबान टीम ने फिर 28वें मिनट में ही लालरेमसियामी के मैदानी गोल की बदौलत एक और गोल के दम पर अपनी बढ़त को 4-0 तक पहुंचा दिया। भारत ने इसके 10 मिनट बाद ही ज्योति द्वारा किए गए मैदानी गोल के सहारे 5-0 का स्कोर कर लिया। अंतिम क्वार्टर में हालांकि कोई गोल नहीं हो सका लेकिन बावजूद इसके भारत ने बड़े अंतर से यह मैच जीतकर पूरे अंक हासिल किए। इससे पहले, दिन के

पहले मैच में जापान ने कोरिया को 4-0 से हरा दिया। जापान की यह लगातार दूसरी जीत है। टीम के लिए कोबायाशी एमी ने सातवें, कप्तान नगाई यूरी ने 15वें, हासेगावा मियू ने 19वें और तोरियामा मेइ ने 49वें मिनट में गोल दागे। दूसरे मैच में चीन ने थाईलैंड को 6-0 से करारी मात देकर अपनी पहली जीत दर्ज कर ली। थाईलैंड की यह लगातार दूसरी हार है। पहले मैच में उसे मेजबान भारत ने 7-1 से रौंदा था। चीन के लिए जोंग जियागी ने 10वें, 42वें और 41वें मिनट गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की। उनके अलावा निंग ने 30वें, कप्तान ओयू जिया ने 50वें और डेन वेन ने 57वें मिनट में गोल किए। इस टूर्नामेंट में कुछ छह टीमें भाग ले रही है। इनमें मेजबान भारत के अलावा चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें शामिल है। प्रतियोगिता के मुकाबले राउंड रॉबिन लीग चरण के आधार पर खेले जा रहे है। सभी छह टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी और टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेगी। भारतीय टीम 2016 के बाद से पहली बार खिताब की तलाश में लगी हुई है। भारत को 2013 और 2018 के फाइनल में हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था।

नीदरलैंड को 'बड़े राष्ट्र' का दर्जा दे आईसीसी : डी लीडे

कोलकाता। नीदरलैंड के ऑलराउंडर बास डी लीडे ने अपील की कि विश्व कप में दो बड़े उलटफेर करने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को उन्हें 'बड़े राष्ट्र' का दर्जा देना चाहिए। नीदरलैंड वर्तमान विश्व कप में भाग लेने वाला एकमात्र एसोसिएट देश है। उसने धर्मशाला में दक्षिण अफ्रीका को 38 रन से हराकर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। इसके बाद उसने शनिवार को यहां बांग्लादेश को 87 से पराजित करके साबित कर दिया कि दक्षिण अफ्रीका पर उसकी जीत महज संयोग नहीं थी। डी लीडे ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''हमारे लिए और नीदरलैंड क्रिकेट के लिए प्रत्येक जीत बड़ी जीत है। हम अपने देश के युवाओं को इस खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा,''हम आने वाले वर्षों में हमें एक संभावित बड़े राष्ट्र के रूप में देखने के लिए आईसीसी का ध्यान आकर्षित करने का भी प्रयास करना चाहते हैं। इसलिए हमारे लिए प्रत्येक जीत काफी महत्वपूर्ण है।'' यह हालांकि स्पष्ट नहीं हो पाया कि डी लीडे अपने देश को टेस्ट दर्जा देने के लिए कह रहे थे या फिर उसको अधिक टूर्नामेंट में उतारने की मांग कर रहे थे। नीदरलैंड को अभी तीन मैच और खेलने हैं और वह सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है। उसके 6 मैच में चार अंक हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना के बारे में डी लीडे ने कहा,''यह अन्य टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा कि हम सेमीफाइनल में जगह बना सकते हैं या नहीं। हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक मैचों में जीत दर्ज करना है।''

सेमीफाइनल में पहुंचना अब भी हमारा लक्ष्य : स्कॉट एडवर्ड्स

कोलकाता। दक्षिण अफ्रीका के बाद अब बांग्लादेश को उलटफेर का शिकार बनाने वाले नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने अन्य टीमों को आगाह करते हुए शनिवार को यहां कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य अब भी विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाना है। नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में सभी विकेट खोकर 229 रन बनाए। इसके जवाब में बांग्लादेश की टीम 42.2 ओवर में 142 रन पर आउट हो गई। बांग्लादेश की यह लगातार पांचवीं हार है। उसके छह मैच में दो अंक हैं और वह सेमीफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो गया है। नीदरलैंड के छह मैच में दूसरी जीत से चार अंक हो गए हैं और उसने अपनी उम्मीद कायम रखी है। एडवर्ड्स ने नीदरलैंड की 87 रन से जीत के बाद कहा,''पिछले 18 महीने हमारे लिए बहुत अच्छे रहे। हमें लगा के हमने कड़ी मेहनत की है और उसके परिणाम हमें मिल रहे हैं। हमने टूर्नामेंट के शुरू में सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए खुद को मौका देने की बात कही थी। सेमीफाइनल में पहुंचने की राह कठिन है लेकिन अब भी हमारा यही लक्ष्य है ।'' उन्होंने मैच के बारे में कहा,''मैंने अपने कुछ खिलाड़ियों से बात की थी और कहा था कि अगर हम 220 रन से अधिक का स्कोर बना देते हैं तो हमारे पास मौका रहेगा। हमारे गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।'' बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने कहा कि उन्हें नीदरलैंड को 170 रन के आसपास रोकना चाहिए था। उन्होंने कहा,''मुझे लगता है कि हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की लेकिन हमारा क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा। हम जिस स्थिति में थे उसे देखते हुए हमें उन्हें 160-170 के स्कोर पर रोकना चाहिए था। हमारे बल्लेबाजों ने फिर से हमें निराश किया। अब हम टूर्नामेंट का अंत जीत से करने पर ध्यान देंगे।'' नीदरलैंड के तेज गेंदबाज पॉल वान मीकरेन ने 23 रन देकर चार विकेट लिए और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। मीकरेन ने कहा,''यह जीत हमारे लिए विशेष है। हमने कहा था कि हम सेमीफाइनल में जगह बनाना चाहते हैं और इसके लिए हमें मैच जीतने होंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद हमने जिस तरह से वापसी की उससे हम बहुत खुश हैं।''

पेंशन कोष नियामक ने एनपीएस से निकासी के लिए 'पेनी ड्रॉप' सत्यापन अनिवार्य किया

नई दिल्ली। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत धन निकासी को अंशधारकों के लिए 'पेनी ड्रॉप' सत्यापन अनिवार्य कर दिया है। इससे अंशधारकों के पैसे का समय पर हस्तांतरण सुनिश्चित होगा। 'पेनी ड्रॉप' प्रक्रिया के तहत, रिकॉर्ड रखने वाली केंद्रीय एजेंसियां (सीआरए) बैंक बचत खाते की सक्रिय स्थिति देखती हैं और बैंक खाता संख्या और 'प्राण' (स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या) या दाखिल किए गए दस्तावेजों में दिए गए नाम का मिलान करती हैं। ये प्रावधान एनपीएस, अटल पेंशन योजना (एपीवाई) और एनपीएस लाइट में सभी प्रकार की निकासियों के साथ-साथ ग्राहकों के बैंक खाता विवरणों में बदलाव के लिए लागू होंगे। लाभार्थी के बैंक खाते में एक छोटी राशि डालकर और पेनी ड्रॉप प्रतिक्रिया के आधार पर नाम का मिलान करके 'परीक्षण लेनदेन' करके खाते की वैधता सत्यापित की जाती है। पीएफआरडीए की एक हालिया अधिसूचना के अनुसार, ''नाम मिलान, निकासधनिकासी आवेदनों को संसाधित करने और ग्राहक के बैंक खाते के विवरण को संशोधित करने के लिए पेनी ड्रॉप सत्यापन आवश्यक रूप से सफल होना चाहिए।''

ट्राइडेंट रियल्टी पंचकूला में 412 स्वतंत्र फ्लोर बनाने के लिए 700 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नई दिल्ली। ट्राइडेंट रियल्टी हरियाणा के पंचकूला में 400 स्वतंत्र फ्लोर (मंजिल) बनाने के लिए 700 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। दिल्ली की यह कंपनी पंचकूला में 200 एकड़ क्षेत्रफल में टाउनशिप 'ट्राइडेंट हिल्स' विकसित कर रही है। कंपनी ने इसमें 412 स्वतंत्र फ्लोर की परियोजना 'विंडसॉन्ग रेजिडेंस' शुरू की है। ट्राइडेंट रियल्टी ने बयान में कहा कि वह प्रीमियम खंड के 412 स्वतंत्र फ्लोर के निर्माण के लिए 700 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने बताया कि प्रत्येक फ्लोर 360 और 545 वर्ग यार्ड क्षेत्रफल में तैयार होगा। इनकी शुरुआती कीमत 2.22 करोड़ रुपये होगी। कंपनी को इन स्वतंत्र फ्लोर की बिक्री से 1,000 करोड़ रुपये की कमाई की उम्मीद है। ट्राइडेंट रियल्टी के समूह चेयरमैन एस के नरवार ने कहा, ''हम अपनी विस्तार योजनाओं को लेकर आश्वस्त हैं क्योंकि हमारी कई प्रमुख परियोजनाएं तैयार हो रही हैं।''

एशिया-प्रशांत में दिल्ली-एनसीआर कार्यालय स्थल किराये पर लेने के लिए छठा सबसे महंगा बाजार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर एशिया प्रशांत के प्रमुख कार्यालय बाजारों में छठा सबसे महंगा बाजार है। जुलाई-सितंबर तिमाही में यहां कार्यालय स्थल किराये पर लेने की सालाना लागत 78.4 डॉलर प्रति वर्ग फुट रही। रियल एस्टेट सलाहकार फर्म नाइट फ्रैंक के अनुसार, स्थान लागत में किराया, स्थानीय कर और अन्य शुल्क शामिल होते हैं। नाइट फ्रैंक ने चालू कैलेंडर वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए एशिया-प्रशांत का प्रमुख कार्यालय किराया सूचकांक जारी कर दिया है। हांगकांग एसएआर एपीएसी के सबसे महंगे कार्यालय बाजार की सूची में सितंबर तिमाही में भी सबसे ऊपर बना हुआ है। इसकी स्थान लागत 164.7 डॉलर प्रति वर्गफुट है। मुंबई 70.5 डॉलर प्रति वर्गफुट के साथ इस सूची में नौवें स्थान पर है। एक अन्य भारतीय शहर बेंगलुरु 36.1 डॉलर वर्गफुट की दर से 23 शहरों की इस सूची में 19वें स्थान पर है। सिंगापुर इस सूची में दूसरे स्थान पर है। इसके बाद सिडनी, तोक्यो और सियोल है। बीजिंग सातवें स्थान पर है, हो ची मिन्ह सिटी आठवें और शंघाई 10वें स्थान पर है।

भारतीय स्टेट बैंक ने महेंद्र सिंह धोनी को बनाया ब्रांड एम्बैसडर

नई दिल्ली। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने पूर्व क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एम्बैसडर नियुक्त किया है। बैंक ने एक बयान में कहा कि एसबीआई के ब्रांड एम्बैसडर के तौर पर धोनी विभिन्न विपणन और प्रचार अभियानों में प्रमुख भूमिका निभाएंगे। बयान के अनुसार, तनावपूर्ण स्थितियों में संयम बनाए रखने की उनकी उल्लेखनीय क्षमता और स्पष्ट सोच और दबाव में त्वरित निर्णय लेने की उनकी प्रसिद्ध क्षमता उन्हें देशभर में अपने ग्राहकों और हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए एसबीआई के साथ आदर्श विकल्प बनाती है। एसबीआई ने कहा कि यह सहयोग विश्वसनीयता और नेतृत्व के मूल्यों को दर्शाते हुए अपने ग्राहकों के साथ गहरे संबंध बनाने की बैंक की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा, ''इस साझेदारी के साथ हमारा लक्ष्य विश्वास, अखंडता और अटूट समर्पण के साथ राष्ट्र और अपने ग्राहकों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करना है।''

हिंदुजा समूह को अगले 5-6 साल में ओडब्ल्यूओ से रिटर्न मिलने की उम्मीदः संजय हिंदूजा

लंदन। हिंदुजा परिवार को द्वितीय विश्व युद्ध के समय के पूर्व 'ओल्ड वॉर ऑफिस' (ओडब्ल्यूओ) में अपने 1.3 अरब पाउंड के निवेश से करीब पांच से छह वर्ष में रिटर्न या प्रतिफल मिलने की उम्मीद है। हिंदुजा समूह की कंपनी गल्फ ऑयल लिमिटेड के चेयरमैन संजय हिंदुजा ने कहा कि यह पहली बार है जब हिंदुजा समूह ने ऐसी किसी विरासत वाली संपत्ति में निवेश किया तथा वृद्धि दर्ज की है। ओडब्ल्यूओ में पहले व्हाइटहॉल में स्थित विंस्टन चर्चिल का युद्ध कार्यालय था। अब इसमें 120 कमरे और सुइट होटल (रैफल्स लंदन), नौ रेस्तरां, तीन बार और 85 निजी आवास हैं, जो लक्जरी होटलों की सिंगापुर श्रृंखला रैफल्स द्वारा ब्रांडेड है।

भारत हमारे लिए महत्वपूर्ण बाजार, निवेश और विद्युतीकरण में तेजी लाएंगे : होंडा

तोक्यो। जापान की प्रमुख वाहन कंपनी होंडा मोटर कंपनी लि. अपनी भविष्य की विकास रणनीति के तहत अपने प्रमुख बाजार भारत में निवेश करना जारी रखेगी। इसके साथ ही कंपनी अपने वाहनों के विद्युतीकरण में तेजी लाएगी। कंपनी का लक्ष्य 2050 तक कॉर्बन निरपेक्षता हासिल करने का है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। होंडा मोटर के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तोशीहिरो मिबे ने कंपनी के मुख्यालय में भारतीय पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, ''वैश्विक स्तर पर होंडा अन्य कंपनियों के साथ गठजोड़ और सहयोग के लिए तैयार है। लेकिन यह गठजोड़ परिवहन के क्षेत्र में सभी के लिए लाभ का होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारी रणनीति 2050 तक कार्बन निरपेक्षता हासिल करने की है। इसके लिए हमने 2030-35 और 2040 के लिए लक्ष्य तय किए हैं होंडा के लिए भारत एक बड़ा बाजार है। यह ऐसा बाजार है जहां कार और दोपहिया दोनों में विद्युतीकरण तेजी से हो रहा है।'' भारत के महत्व को रेखांकित करते हुए एशियन होंडा मोटर कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ तोशियो कुवाहारा ने कहा, ''भारतीय बाजार अपने आकार के कारण हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। यह पहले से ही बिक्री के मामले में हमारे लिए दुनिया में सातवें स्थान पर है।'' उन्होंने कहा कि चीन को छोड़कर जब हम एशिया-प्रशांत क्षेत्र को देखते हैं, तो विद्युतीकरण या इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए जो बाजार महत्वपूर्ण होने वाला है, वह भारत है। हमें लगता है कि भारत पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। भारत में अपने परिचालन के पुनर्गठन के साथ होंडा ने इस साल जून में वर्ष 2030 तक देश में अपने पूर्ण इलेक्ट्रिक मॉडल सहित पांच नए स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) उतारने की योजना की घोषणा की थी। कंपनी भारत में अपनी स्थिति को बेहतर करने का प्रयास कर रही है, क्योंकि वहां यात्री वाहन खंड में एसयूवी सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है।

बिग एफएम के अधिग्रहण की दौड़ में रेडियो मिर्ची, ऑरेंज गठजोड़, सफायर शामिल

नई दिल्ली। अग्रणी एफएम रेडियो नेटवर्क रेडियो मिर्ची और रेडियो ऑरेंज के गठजोड़ ने बिग एफएम रेडियो नेटवर्क का अधिग्रहण करने के लिए 251 करोड़ रुपये की बोली लगाई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। रेडियो मिर्ची एंटरटेनमेंट नेटवर्क इंडिया लिमिटेड (ईएनआईएल) का एक हिस्सा है। हरियाणा स्थित सफायर एफएम ने भी बिग एफएम के अधिग्रहण के लिए 251 करोड़ रुपये की ही बोली लगाई है। बोलीदाताओं से तत्काल टिप्पणी के लिए कोई संपर्क नहीं किया जा सका। प्रक्रिया से जुड़े सूत्रों ने बताया कि ऋणदाता बोलीदाताओं से अपनी बोलियों बढ़ाने को कह सकते हैं। रेडियो मिर्ची और ऑरेंज के गठजोड़ तथा सफायर एफएम ने बोली की राशि 30 दिन में चुकाने की पेशकश की है। उन्होंने बताया कि कंपनी के खातों में पड़ी 60 करोड़ रुपये की नकदी भी ऋणदाताओं मो मिलेगी। बिग एफएम दिवाला प्रक्रिया में है। बिग एफएम का स्वामित्व रिलायंस ब्रॉडकास्ट नेटवर्क लिमिटेड (आरबीएनएल) के पास है। 58 स्टेशनों के साथ यह देश का सबसे बड़ा रेडियो नेटवर्क है और 1,200 से अधिक शहरों तथा 50,000 से अधिक गांवों तक इसकी पहुंच है। एलएंडटी इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट लिमिटेड की ओर से आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज द्वारा दायर दिवाला आवेदन के अनुसार, आरबीएनएल 175 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने में विफल रही है।

दिल्ली-एनसीआर में डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक कीमत के लक्जरी घरों की बिक्री दोगुनी हुई : एनारॉक

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में चालू साल के पहले नौ माह जनवरी-सितंबर के दौरान 1.5 करोड़ रुपये अधिक कीमत के लक्जरी घरों की बिक्री दोगुना होकर 13,630 इकाई रही है। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पिछले साल की समान अवधि में दिल्ली-एनसीआर में लक्जरी घरों की बिक्री 6,210 इकाई रही थी। एनारॉक ने सात बड़े शहरों में लक्जरी घरों की बिक्री के आंकड़े जारी किए हैं। इस साल जनवरी-सितंबर के दौरान सात प्रमुख शहरों में लक्जरी आवासीय इकाइयों की बिक्री दोगुना से अधिक होकर 84,400 इकाई रही है, जो पिछले साल की समान अवधि में 39,300 इकाई थी। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि कोविड महामारी के बाद मांग बढ़ने से लक्जरी आवासीय खंड तेजी से बढ़ रहा है। इस खंड में आपूर्ति भी बेहतर हुई है। कोविड के बाद अपना घर रखने की अवधारणा भी मजबूत हुई है। इसके अलावा लोग अब बड़ा और बेहतर घर खरीद रहे हैं। एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, हैदराबाद में इस साल जनवरी-सितंबर के दौरान लक्जरी घरों की बिक्री तीन गुना होकर 13,630 इकाई हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 3,790 इकाई रही थी। समीक्षाधीन अवधि में बेंगलुरु में लक्जरी घरों की बिक्री 3,810 से बढ़कर 9,220 इकाइयों पर पहुंच गई। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में लक्जरी आवासीय इकाइयों की बिक्री 74 प्रतिशत बढ़कर 20,820 से 36,130 इकाई हो गई। पुणे में लक्जरी घरों की बिक्री 2,350 इकाई से लगभग तीन गुना होकर 6,850 इकाइयों पर पहुंच गई। चेन्नई में लक्जरी घरों की बिक्री 1,370 से बढ़कर 3,330 इकाई हो गई। इस साल जनवरी-सितंबर के दौरान कोलकाता में लक्जरी घरों की बिक्री 69 प्रतिशत बढ़कर 1,610 इकाई हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 950 इकाई थी। सभी मूल्य वर्गों को शामिल करते हुए एनारॉक के आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल के पहले नौ माह में इन सात शहरों में कुल 3.49 लाख घर बेचे गए।

भारत में सफलता के बाद रिलायंस जियो वैश्विक स्तर पर प्रवेश के विकल्प की तलाश में : अधिकारी

नई दिल्ली। भारत में सफलता के बाद दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो वैश्विक स्तर पर प्रवेश को एक विकल्प के रूप में देखती है जिसका लगातार मूल्यांकन किया जा रहा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' में पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान रिलायंस जियो के अध्यक्ष मैथ्यू ओम्मन ने कहा कि भारत अब टियर 1 प्लस देश है और देश के लिए सही नीतियां बनाने में कोई झिझक नहीं होनी चाहिए। ओम्मन ने कहा, ''हमारा मानना है कि भारत से वैश्विक जाने के बड़े अवसर हैं। रिलायंस उन अवसरों को तलाशने के लिए विकल्पों की समीक्षा करना जारी रखेगी कि विश्वस्तर पर भारत का सर्वोत्तम प्रतिनिधित्व कैसे किया जाए और प्रौद्योगिकी क्षमताओं का लाभ उठाकर ग्राहकों का अनुभव कैसे बेहतर किया जाए, जैसा कि हम अभी तक भारत में कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि वास्तव में डिजिटल इंडिया दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए सरकार को न केवल मोबाइल टावर स्थापित करने के लिए, बल्कि लोगों के वास्ते उपकरणों तथा सेवाओं को किफायती व सुलभ बनाने के लिए 75,700 करोड़ रुपये के यूनिवर्सल सर्विसेज ऑब्लिगेशन फंड (यूएसओएफ) का लाभ उठाना शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जियो भारत फोन पारिस्थितिकी तंत्र को 2जी मुक्त भारत और एआई (कृत्रिम मेधा) युक्त भारत बनाने में सक्षम है। ओम्मन ने कहा कि अभी तक इस्तेमाल नहीं किए गए यूएसओ कोष का उपयोग न केवल दूरसंचार बुनियादी ढांचे के लिए किया जाना चाहिए, बल्कि इससे उन लोगों की सहायता की जानी चाहिए जो इस बदलाव का खर्च वहन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, ''जो कोई भी संपर्क या मासिक किराया वहन नहीं कर सकता, उसे इस कोष से उपकरण और सेवा मॉडल दिया जाना चाहिए।'' ओम्मन ने साथ ही कहा कि यूएसओएफ के लिए पांच प्रतिशत संग्रह को हटाया जाना चाहिए और लाइसेंस शुल्क को घटाकर तीन प्रतिशत किया जाना चाहिए। वहीं मोबाइल नेटवर्क और उपग्रहों के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन पद्धति समान होनी चाहिए।

एफपीआई ने अक्टूबर में अबतक शेयरों से 20,300 करोड़ रुपये निकाले, बॉन्ड में 6,080 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली। अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने तथा इजराइल-हमास संघर्ष की वजह से पैदा हुई अनिश्चितता के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में अबतक भारतीय शेयर बाजारों से 20,300 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। हालांकि, इस दौरान एफपीआई ने भारतीय बॉन्ड बाजार में 6,080 करोड़ रुपये से डाले भी हैं। क्रेविंग अल्फा के स्मॉलकेस प्रबंधक और प्रमुख भागीदार मयंक मेहरा ने कहा, ''आगे चलकर एफपीआई के निवेश का प्रवाह फेडरल रिजर्व की बैठक के नतीजों तथा वैश्विक आर्थिक घटनाक्रमों पर निर्भर करेगा।'' उन्होंने कहा कि लघु अवधि में वैश्विक अनिश्चितता और अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी के चलते एफपीआई सतर्क रुख अपनाएंगे। हालांकि, भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि शेयरों और बॉन्ड में विदेशी निवेशकों का आकर्षण बनाए रखेगी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने 27 अक्टूबर तक एफपीआई ने 20,356 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। अभी अक्टूबर के दो कारोबारी सत्र बचे हैं। इससे पहले सितंबर में भी एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे थे और उन्होंने 14,767 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। एफपीआई मार्च से अगस्त तक इससे पिछले छह माह के दौरान लगातार लिवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने शेयर बाजारों में 1.74 लाख करोड़ रुपये डाले थे। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक एवं प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में भारी बढ़ोतरी इस सप्ताह एफपीआई की निकासी की प्रमुख वजह रही है।'' उन्होंने कहा कि सोमवार को 16 साल में पहली बार 10 साल के बॉन्ड पर प्रतिफल पांच प्रतिशत के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया है। श्रीवास्तव ने कहा कि इस वजह से एफपीआई भारत जैसे उभरते बाजारों से अपना ध्यान हटाकर अधिक सुरक्षित विकल्प अमेरिकी प्रतिभूतियों में निवेश कर रहे हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि इजराइल-हमास संघर्ष की वजह से भी बाजार में नकारात्मक धारणा बनी है। इसके साथ ही इस साल अबतक शेयरों में एफपीआई का कुल निवेश एक लाख करोड़ रुपये रहा है। बॉन्ड बाजार में उनका निवेश 35,200 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। विश्लेषकों ने कहा कि एफपीआई मुख्य रूप से वित्तीय और सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों में बिकवाली कर रहे हैं।

इजराइल-हमास संघर्ष और आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी बाजार की नजर

मुंबई। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में जबरदस्त तेजी के दबाव में बीते सप्ताह ढाई प्रतिशत लुढ़क चुके घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह इजराइल-हमास संघर्ष और स्थानीय स्तर पर पीएमआई एवं कंपनियों के तिमाही परिणाम जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर नजर रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1614.82 अंक अर्थात 2.5 प्रतिशत का गोता लगाकर सप्ताहांत पर 63782.80 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 495.4 अंक यानी 2.53 प्रतिशत की गिरावट लेकर 19047.25 अंक पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों पर भी भारी बिकवाली का दबाव रहा। मिडकैप 768.35 अंक अर्थात 2.4 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 31112.51 अंक और स्मॉलकैप 1310.69 यानी 3.43 प्रतिशत टूटकर 36888.03 अंक रह गया। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रही अशांति और भविष्य की आर्थिक वृद्धि पर उच्च ब्याज दरों के संभावित प्रभावों पर चिंताओं के कारण निवेशकों के विश्वास में गिरावट आई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली का असर घरेलू बाजार पर पड़ रहा है। हालांकि, अमेरिका की तीसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि का अनुकूल होना और अमेरिकी मुद्रास्फीति में नरमी आने के कारण बॉन्ड यील्ड में कमी आने से सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन में घरेलू सूचकांकों में कुछ सुधार हुआ है। वहीं, वैश्विक बाजार की अस्थिरता से घरेलू बाजार में सुधार में देरी होने की उम्मीद है क्योंकि वैश्विक बाजार ऊंची ब्याज दर और भू-राजनीतिक तनाव के कारण दुनिया की अर्थव्यवस्था में और मंदी के जोखिम का खतरा है। एफएमसीजी, उपभोग, उर्वरक जैसे क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे, आवास जैसे मुख्य क्षेत्रों में संभावित विकास के अवसर पेश करने की उम्मीद है। अल्पावधि में, बाजार की धारणा सतर्क बनी हुई है निवेशक पश्चिम एशिया के विकास, कंपनियों के तिमाही परिणाम और घरेलू पीएमआई सहित प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। घरेलू स्तर पर अगले सप्ताह टीवीएस मोटर, भारती एयरटेल, एलटी, आईओसीएल, गेल इंडिया, अडानी टोटल गैस, टाटा स्टील, सन फार्मा, हीरो मोटोकॉर्प, इंद्रप्रस्थ गैस, अडानी इंटरप्राइजेज, टाटा मोटर्स, अडानी पावर, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक जैसी दिग्गज कंपनियों के वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं। बीते सप्ताह मंगलवार को दशहरा पर अवकाश के कारण बाजार में चार दिन ही कारोबार हुआ। इनमें से तीन बाजार में हाहाकार रहा जबकि एक दिन तेजी आई। इजरायल-हमास युद्ध के बीच अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में जबरदस्त तेजी से विश्व बाजार में भारी गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 825.74 अंक का गोता लगाकर 64,571.88 अंक और निफ्टी 260.90 अंक की गिरावट लेकर 19,281.75 अंक पर आ गया। इजराइल-हमास संघर्ष के बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और कंपनियों के कमजोर तिमाही परिणाम से विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई मुनाफावसूली के दबाव में बुधवार को सेंसेक्स 522.82 अंक का गोता लगाकर 64049.06 अंक और निफ्टी 159.60 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 19122.15 अंक पर आ गया। इसी तरह अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड के ग्यारह आधार अंक बढ़कर पांच प्रतिशत के करीब पहुंचने से फेड रिजर्व के ब्याज की दर को आगे भी उच्च स्तर पर बनाये रखने की आशंका में विश्व बाजार में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से गुरुवार को सेंसेक्स 900.91 अंक लुढ़ककर 63148.15 अंक और निफ्टी 264.90 अंक की गिरावट के साथ 18857.25 अंक रहा गया। वहीं, अमेरिकी अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने के आंकड़े से विश्व बाजार में आई तेजी के बीच स्थानीय स्तर पर कंपनियों के मजबूत तिमाही परिणाम से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत शुक्रवार को सेंसेक्स 634.65 अंक की उड़ान भरकर 63782.80 अंक और निफ्टी 190 अंक की तेजी के साथ 19047.25 अंक पर पहुंच गया।

महाकुम्भ 2025 : 67 हजार से ज्यादा स्ट्रीट लाइटों से जगमग होगा मेला क्षेत्र

–महाकुम्भ 2025 में 400 करोड़ खर्च करेगी योगी सरकार

–109 डीजी सेट से पूरे मेला क्षेत्र में मिलगी 24 घंटे बिजली

–2 हजार सोलर हाईब्रिड स्ट्रीट लाइटों का भी होगा इंतजाम

अनुज कुमार

प्रयागराज। संगमनगरी का महाकुम्भ-2025 हर दृष्टिकोण से ऐतिहासिक होने जा रहा है। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए करोड़ों की संख्या में आस्थावान सनातनी पूरी दुनिया से प्रयागराज में उमड़ेंगे। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश पर महाकुम्भ को लेकर बड़े स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई है। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि योगी सरकार ने महाकुम्भ को सुरक्षित और सुविधाजन बनाने के लिए लगभग ढाई हजार करोड़ रुपये का बजट पहले ही तय कर दिया है। वहीं अकेले बिजली की व्यवस्था पर ही सरकार लगभग 400 करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है, जो कि 2018-19 के कुम्भ की तुलना में दोगुना है।

–निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए लगेंगे 109 डीजी सेट

उल्लेखनीय है कि 2018-19 में सरकार ने 192 करोड़ रुपये खर्च किये थे, जबकि इस बार ये रकम 400 करोड़ के करीब है। पूरे महाकुम्भ मेला क्षेत्र को दूधिया रोशनी से जगमग करने के लिए 67 हजार से भी अधिक स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इनमें लगभग दो हजार सोलर हाईब्रिड स्ट्रीट लाइटें होंगी, जिन्हें प्रमुख घाटों और मेला क्षेत्र में सड़कों के जंक्शन पर स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए योगी सरकार 109 डीजी सेट की भी व्यवस्था करेगी। जिससे पूरे मेला क्षेत्र को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा 11 केवी के 15 रिंग मेन यूनिट्स भी लगाए जाएंगे, जिनसे अचानक पॉवर सप्लाई बाधित होने की दशा में तत्काल दूसरे स्रोत से बिजली को ऑटो चेंज करके प्राप्त किया जा सके। इन्हें हर 6 सब स्टेशन के बाद स्थापित किया जाएगा।

–महाकुम्भ के बाद माघ मेले में काम आएंगे सारे उपकरण

मेला क्षेत्र में बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त मैन पॉवर और अत्याधुनिक उपकरणों के लिए योगी सरकार ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी है। इनमें स्ट्रीट लाइट की रिपेयरिंग के लिए चार आधुनिक वैन लगाये जाएंगे। मेला खत्म होने के बाद इन वैनों का उपयोग आगामी माघ मेलों और प्रयागराज शहर के स्ट्रीट लाइटों के लिए किया जाएगा। इसके अलावा चार मोबाइल हाईमास्ट जनरेटर भी लगाये जाएंगे। इनका उपयोग मेले के विद्युती करण से पहले मेला क्षेत्र में विभिन्न कार्यस्थलों पर रोशनी देने के लिए किया जाएगा। मेला खत्म होने के बाद इन मोबाइल हाईमास्ट जनरेटर का उपयोग आगामी माघ मेलों और प्रयागराज शहर के लिए किया जाएगा।

–आईसीटी के जरिए तुरंत लग सकेगा फॉल्ट का पता

इतना ही नहीं मेले में लगे स्ट्रीट लाइट और तारों की देख-रेख के लिए इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (आईसीटी) की मदद ली जाएगी। तकरीबन डेढ़ लाख आईसीटी बेस्ड मॉनीटरिंग सिस्टम में क्यू आर कोडिंग और जीओ टैगिंग के जरिए बिजली आपूर्ति की मॉनीटरिंग की जाएगी। इससे फॉल्ट और करेंट लीकेज का तत्काल पता लगाकर उन्हें जल्द से जल्द ठीक करने में मदद मिलेगी। मेला क्षेत्र में बिजली व्यवस्था की मॉनीटरिंग के लिए पूरे इलाके की ऑटोकैड के जरिए प्रॉपर मैपिंग कराई जाएगी।

लोकतंत्र बचाना है तो ये सरकार हटानी ही होगी : दिग्विजय

विशेष संवाददाता

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने मध्यप्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए आज कहा कि लोकतंत्र को अगर बचाना है, तो इस सरकार को हटाना ही होगा। श्री सिंह ने सोशल मीडया प्लेटफॉर्म एक्स पर कतिपय मीडिया में आज छपीं गृह मंत्री अमित शाह से जुड़ी एक खबर को पोस्ट किया। इस पोस्ट के साथ उन्होंने श्री शाह के संदर्भ में कहा, 'असल में यह सत्ता का अहंकार है कि शाह अफसरों को धमका रहे हैं और शिवराज सरकारी पैसों को बाँटकर अपनी पीठ थपथपा रहे है। जनता के वोट से चुनी गयी सरकार (यहाँ तो खघ्रीदी गयी) को चुनाव में जाने से पहले इस तेवर के लिए माफ नहीं करना चाहिए। लोकतंत्र बचाना है तो उन्हें हटाना ही पड़ेगा। कांग्रेस लाओ देश बचाओ।' श्री सिंह ने जिस खबर का संदर्भ दिया, उसके अनुसार कल देर रात भारतीय जनता पार्टी की भोपाल और नर्मदापुरम संभाग की बैठक में श्री शाह ने अधिकारियों के संदर्भ में कथित तौर पर चेतावनी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया। इस खबर को लेकर आज कांग्रेस के नेता भाजपा पर हमलावर हो रहे हैं। वहीं अपनी एक और एक्स पोस्ट में श्री सिंह ने भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि भाजपा की गुटबाजी इन दिनों चरम पर है जिसे ढांकने के लिए वे प्रायोजित रूप से कांग्रेस नेताओं में खासकर उनके और श्री कमलनाथ के बीच की अनबन की झूठी खबरें फैलाते हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस का हर एक नेता भाजपा को हराने के लिए एकजुट और संकल्पबद्ध है।

बलियाः सड़क दुर्घटना में चार की मौत, 08 घायल

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद के गढ़वार थाना क्षेत्र में रविवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से टेंपो सवार चार लोगों की मौत हो गई तो वहीं आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस अधीक्षक शंकरन आनंद बताया कि जिले के जिले के गढ़वार थाना क्षेत्र के चिलकहर चट्टी पर रविवार की भोर बलिया से मऊ की तरफ जा रहे टैंपो की किसी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई, जिसमें चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तो 8 लोग घायल हो गए। चार लोगों को गंभीर हालत में वाराणसी रेफर कर दिया गया है, वही चार लोगों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने बताया कि यह सभी मऊ जनपद के रहने वाले हैं और बलिया किसी वैवाहिक कार्यक्रम में बावर्ची का काम करने (भोजन बनाने) के लिए आए थे और सभी आज सुबह टेंपो से मऊ जा रहे थे के तभी हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि जिस वाहन से टक्कर हुई है उसकी तलाश भी की जा रही है। सूचना मिलने पर अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

देश अब खेलों में भी परचम लहरा रहा हैः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को खेलों में भारतीय दल के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि हाल के दिनों में विभिन्न स्पर्धाओं में रिकॉर्ड प्रदर्शन कर भारतीय टीम ने इतिहास रचा है। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की ताजा कड़ी में देशवासियों को संबोधित करते हुए मोदी ने एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों के साथ ही विशेष ओलंपिक विश्व खेलों का जिक्र किया और भारतीय दल के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि विजेता खिलाड़ियों ने 'बहुत ही साधारण परिवार' से आने के बावजूद अपनी गरीबी को कभी अपनी सफलता के सामने दीवार नहीं बनने दिया। उन्होंने कहा, ''इस समय देश का खेलों में भी परचम लहरा रहा है। पिछले दिनों एशियाई खेलों के बाद पैरा एशियाई खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त कामयाबी हासिल की है। इन खेलों में भारत ने 111 पदक जीतकर एक नया इतिहास रच दिया है। मैं पैरा एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।'' उन्होंने 'स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड समर गेम्स' में भारतीय दल के प्रदर्शन का उल्लेख करते करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता बौद्धिक दिव्यांगता वाले खिलाड़ियों की अद्भुत क्षमता को सामने लाती है। इस प्रतियोगिता में भारतीय दल ने 75 स्वर्ण पदक सहित 200 पदक जीते थे। इसका आयोजन बर्लिन में हुआ था। मोदी ने कहा, ''रोलर स्केटिंग हो या बिच वॉलीबॉल या फुटबॉल, भारतीय खिलाड़ियों ने पदकों की झड़ी लगा दी। इन पदक विजेताओं की जीवन यात्रा बहुत प्रेरक रही है।'' उन्होंने हरियाणा के रणवीर सैनी, पुडुचेरी के 16 साल के टी-विशाल, गोवा की सिया सरोदे, छत्तीसगढ़ के दुर्ग के रहने वाले अनुराग प्रसाद, झारखंड के इंदु प्रकाश के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि बहुत ही साधारण परिवार से आने के बावजूद, इन खिलाड़ियों ने गरीबी को कभी अपनी सफलता के सामने दीवार नहीं बनने दिया। मोदी ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की सफलता अन्य बच्चों और परिवारों को भी प्रेरित करेगी। मेरी आप सबसे भी प्रार्थना है आपके गांव में, अगल-बगल ऐसे बच्चे, जिन्होंने इस खेलकूद में हिस्सा लिया है या विजयी हुए हैं, आप सपरिवार उनके यहां जाइए। उनको बधाई दीजिए। और कुछ पल उन बच्चों के साथ बिताइए। आपको एक नया ही अनुभव होगा।'' उन्होंने

कहा, ''परमात्मा ने उनके अंदर एक ऐसी शक्ति भरी है कि आपको भी उसके दर्शन का मौका मिलेगा। जरूर जाइएगा।'' भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने शनिवार को इतिहास रचकर हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों में अपने अभियान का अंत 111 पदक जीतकर किया जो किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय बहु खेल टूर्नामेंट में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है । इन भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य जीते। इससे पहले 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक हुए हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत ने 107 पदक जीते थे। भारत पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा। चीन ने 521 पदक (214 स्वर्ण, 167 रजत और 140 कांस्य) जीते, जबकि ईरान ने 44 स्वर्ण, 46 रजत और 41 कांस्य अपने नाम किए। जापान तीसरे और कोरिया चौथे स्थान पर रहा। पहले पैरा एशियाई खेल 2010 में ग्वांग्झू में हुए थे जिसमें भारत 14 पदक जीतकर 15वें स्थान पर रहा था। इसके बाद 2014 में भारत 15वें और 2018 में नौवें स्थान पर रहा। भारत ने 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार 100 से अधिक (101) पदक जीते थे।

मोदी के 'मन की बात' सभी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है : धामी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून के ब्रह्मपुरी, पटेलनगर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 106वां संस्करण सुना। कार्यक्रम के बाद श्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात कार्यक्रम' सभी को अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए त्योहारों के सीजन में स्थानीय उत्पादों को जरूर खरीदें। वोकल फॉर लोकल की दिशा में आगे बढ़ने के लिए सबको प्रयास करने होंगे। श्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के अभी तक के नौ साल के कार्यकाल में देश ने हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। गरीबों और वंचितों को केन्द्र में रखते हुए उनके कार्यकाल में अनेक कार्य किये गये हैं। गरीबों के जन-धन खाते खोलने, गरीबों के लिए आवास निर्माण, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, हर घर नल और घर घर जल योजना, शौचालयों के निर्माण, स्वच्छता से संबंधित अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनेक कार्य हुए है। समाज के हर वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं आगे बढ़ाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का समाज के अंतिम पंक्ति के लोगों तक पूरा लाभ मिले। इसके लिए विभिन्न माध्यमों से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। प्रदेश में रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं।

मिजोरम विस चुनाव : अमित शाह 30 को आएंगे आइजोल

आइजोल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने के लिए 30 अक्टूबर यहां आ रहे है। एक दिवसीय दौरे पर शाह यहां सुबह ममित जिला मुख्यालय पर एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। मिजोरम भाजपा के प्रदेश मीडिया संयोजक जॉनी लालथनपुइया ने कहा कि शुरुआत में यह तय था कि अमित शाह के अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चुनाव प्रचार में आएंगे, लेकिन अपरिहार्य कारणों से प्रधानमंत्री का दौरा फिलहाल रद्द कर दिया गया है, लेकिन प्रधानमंत्री का कार्यक्रम बाद में तय हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की जगह अमित शाह चुनाव प्रचार करेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह चुनाव में पार्टी के उम्मीदवारों का उत्साह बढ़ाने के लिए ममित और राज्य के दक्षिणी हिस्से में प्रचार करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य के दक्षिणी हिस्से में चकमा, ब्रू, मारा और लाई समुदायों के भाषाई अल्पसंख्यक लोग रहते हैं। भाजपा उनके वोट पाने के लिए ज्यादा जोर दे रही है।

एसपी के निर्देश पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

महोबा। पुलिस अधीक्षक अपर्णा गुप्ता के निर्देशन में रविवार को पुलिस के समस्त थानों व कार्यालयों एवं पुलिस लाइन में स्वच्छता अभियान चलाकर थाना कार्यालय, बैरक, थाना परिसर, प्रशासनिक भवन, मेस, परिसर एवं विशेषकर खाली पड़े स्थानों पर बेतरतीब उगी हुई घास को काटा गया व गंदगी की साफ सफाई की गयी। थानों पर कार्यरत कर्मियों द्वारा थाना परिसर के साथ-साथ बैरकों, मालखाना, मेस, थाना कार्यालय की साफ-सफाई के साथ शस्त्रों की सफाई भी की गयी साथ ही अभिलेखों को सुव्यवस्थित तरीके से रखा गया तथा आमजनमानस को भी स्वच्छता का सन्देश देकर स्वच्छता के प्रति जागरुक किया गया। वहीं स्वच्छ, समृद्ध व स्वस्थ भारत का संकल्प लिया। बता दें की पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हर रविवार को यह स्वच्छता अभियान चलाया जाता है।

ट्रक बेंचने का झांसा देकर युवक से ठगे लाखों रुपए

महोबा। ट्रक बेंचने की बात कहकर युवक से कुछ लोगों ने लाखों रुपए की ठगी कर ली। इतना ही नहीं उससे ट्रक की बीमा राशि, किश्ते आदि भी जमा करा ली। पीडिघ्त ने पुलिस और उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी पर कोई कार्यवाही न होती देख न्यायालय का सहारा लिया। न्यायालय आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 406 व 504 के तहत मामला दर्ज किया है। कुलपहाड़ कस्बे के सतियनपुरा निवासी अब्दुल अनीस पुत्र गफूर ने न्यायालय में दायर किए वाद में बताया कि उसके पुत्र अब्दुल तौफीक के स्वरोजगार के लिए उसने ट्रक रामजीवन पुत्र हरगोविंद निवासी मुहल्ला इंदिरानगर उरई जिला जालौन से 25,15000 रुपए में 17 अक्टूबर 2022 को क्रय किया था। ट्रक किए जाने के समय उसने 5,23057 रुपए उसका गवाहों के सामने भुगतान किया था। शेष 1991943 रुपए फाइनेंस स्वीकृत होने के बाद भुगतान होना तय था। इस ट्रक की फाइनेंस की राशि बकाया था और वह उसके पक्ष में हस्तांतरित नहीं हो सकता था। 17 अक्टूबर को उसके व विक्रेता के मध्य ट्रक को लेकर नोटरी हुई। उसने टाटा फाइनेंस से ऋण स्वीकृत कराने के लिए आवेदन किया था। लेकिन बंधक होने के कारण ऋण राशि स्वीकृत नहीं हो सकी।

जिसके पास हरि नाम का धन, वह दुनिया का सबसे अमीर- स्वामी लक्ष्मणदास महाराज

लखनऊ। कृष्ण कृपा मिशन परिवार लखनऊ के तत्वावधान में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित भागवत कथा के द्वितीय दिवस परम पूज्य संत प्रेममूर्ति पूज्य संत स्वामी लक्ष्मणदास महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा इस जीवन के भाग दौड़ में हम सब की एक आकांक्षा रहती है। कुछ पूंजी जमा कर ली जाए, बैंक में बैलेंस कुछ जमा हो जाए कुछ एसेट खरीद लें, आगे ना जाने कैसा समय रहेगा, शायद कोई विपत्ति आए, बुढ़ापे में सहारा कौन होगा? जीवन जीने के लिए पैसा तो चाहिए ना, सांसारिक दृष्टिकोण से यह सोच सही भी है। परंतु पता है आपको इन सभी जमा पूंजी से बढ़कर अगर कोई है तो वह है नाम जप चाहे वह श्री राधा नाम हो,चाहे सीताराम नाम हो या फिर महादेव के नाम का, अगर इनमें से कोई भी नाम जप कर रहे है तो आप मेरी मानिए इससे बढ़कर कोई पूंजी नहीं है।कलयुग में वैसे भी नाम की बड़ी महिमा है, श्री तुलसीदास ने रामायण में कहा भी है। कलयुग केवल नाम अधारा, सुमिर सुमिर नर उतरहि पारा। भवसागर से पार उतरने का एक मार्ग श्री हरि स्मरण है। श्रीमद् भागवत जी में वर्णन आया है कलयुग में हर प्रकार के पापों को नष्ट करने का एकमात्र मार्ग और साधन है श्री ठाकुर जी का नाम जप।

नाम संकीर्तनं यस्य सर्व पाप प्रणाशनम।
प्रणामो दुःख शमनः तम नमामि हरिं परम।।

यानी हर प्रकार के पाप को नष्ट कर देता है नाम संकीर्तन। बृज के रसिक संत तो यहां तक कहते है, अगर भूल से सपने में भी आपने श्री राधा नाम का जप कर लिया तो ठाकुर जी आपको अपने गले से लगा लेते है। इसीलिए हम सभी को नाम का जप अवश्य करना चाहिए इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा,आपका आंतरिक बल मजबूत होगा आपकी प्रतिभा निखरेगी, आप जो कुछ भी चाहेंगे ऐसी कोई कामना नहीं है जो माला करने से नहीं मिलेगी.. हमारे ब्रज में तो यहां तक कहते है बोले माला करो। चक्क माल मिलेगा यानी माला करने से धन की भी प्राप्ति होती है अब आप सकाम भाव से या निष्काम भाव से माला अवश्य करिए। आप कल्पना करिए ध्रुव जी की छोटी सी आयु थी परंतु सिर्फ नाम जप के प्रभाव से भगवान प्रकट होकर उन्हें आशीर्वाद देने आए प्रहलाद वह भी अबोध अवस्था में ही भगवान का बस नाम जपते थे परंतु भगवान ने उनके लिए नरसिंह रूप धारण किया। इसीलिए हर क्षण हर पल श्री कृष्ण नाम सुमरिये। आशियाना लखनऊ क्षेत्र में इस प्रकार का विशाल आयोजन पहली बार किया गया है, जहां भागवत कथा के साथ-साथ महालक्ष्मी यज्ञ का भी कार्यक्रम चल रहा है और पूज्य गुरुजी के द्वारा निःशुल्क श्री यंत्र वितरण का भी कार्यक्रम है। आज कथा के दूसरे दिन विशेष रूप के अखिल भारतीय ब्रह्म समाज के अध्यक्ष सी.पी.अवस्थी, उपाध्यक्ष दुर्गेश पाण्डे, महामंत्री देवेंद्र शुक्ला, विजय त्रिपाठी, आर एस बाजपाई के साथ बड़ी संख्या में कृष्ण भक्तो ने पूरे भक्तिभाव से झूमते नाचते गाते हुए आज की भागवत कथा को सुना और आरती की।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा आर्यावर्त प्रिंटर्स सौम्या सदन गोकुल बिहार,
अमरोहा उत्तर प्रदेश 244221 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित
–: संपादक-अनुज कुमार :–